Postal Regn No./C.G./RYP DN/48/2023-25

www.dainikvishwapariwar.com

रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 45 ● वर्ष : 14 ● रायपुर, सोमवार 17 अगस्त 2026 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

सुविचार

आज लोकतंत्र को सम्हालने वालों का तैयार करने वालों की आवश्यकता है जो इस भारत के लोकतंत्र को सही दिशा प्रदान कर सकें।

Today we need such people who can prepare defenders of democracy who in turn can give right derection to Indian democracy.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर पीएम मोदी ने देश को किया संबोधित

कहा- 2047 में हम विकसित भारत बनाकर रहेंगे

■ पेट्रोल-डीजल... डिफेंस से इकोनॉमी तक, पीएम मोदी के भाषण की 5 बड़ी बातें

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लाल किले की प्राचीर से 80वें स्वतंत्रता दिवस के मौके पर देश को संबोधित किया. इस दौरान उन्होंने विकसित भारत के अपने संकल्प की बात की. उन्होंने कहा कि आज भारत ने दृढ़ संकल्प एक बहुत बड़ा सपना देखा है, जो नई ऊंचाइयों को छूने का है. जब आजादी के 100 साल होंगे, 2047 में हम विकसित भारत बनाकर रहेंगे. 140 करोड़ देशवासियों के पुरुषार्थ से इस लक्ष्य को हमें हासिल करना है. अपने भाषण में प्रधानमंत्री ने पेट्रोल-डीजल से लेकर डिफेंस सेक्टर और बढ़ती इकोनॉमी को लेकर कई बड़ी बातें कहीं।

सबसे तेजी से बढ़ती इकोनॉमी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लाल किले से दिए गए अपने भाषण में भारतीय अर्थव्यवस्था के बारे में कहा कि आज इंडियन इकोनॉमी 'Fragile Five' से सबसे तेज अर्थव्यवस्था बनी है. PM Modi ने कहा कि पिछले 12 सालों में भारत पांच सबसे कमजोर अर्थव्यवस्थाओं की लिस्ट से बाहर निकलते हुए अब दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था बन गया है.

विकसित भारत का लक्ष्य

PM नरेंद्र मोदी ने कहा कि हम 2047 तक विकसित भारत बनकर रहेंगे. विकसित भारत का लक्ष्य, पिछले 12 वर्षों में देशवासियों ने जो सामर्थ्य दिखाया है उस सामर्थ्य का हिस्सा है. सदी का एक-चौथाई हिस्सा बीत चुका है और अगला एक-चौथाई हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण है. अब हम रुक नहीं सकते हैं, हमारी गति नहीं रुक सकती है. उन्होंने हमारी दिशा तय हो चुकी है और हमें उसे प्राप्त करके रहना है. इसे पाने के लिए हमें काम की रफ्तार बदलनी होगी. जो पिछले 5-7 दशक में नहीं हुए, वो काम हमें अगले 5-7 साल में करने हैं।

दूसरों पर निर्भर नहीं रहना

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने भाषण में तीसरी बड़ी बात कही कि भारत को अब दूसरे देशों पर निर्भर नहीं रहना है, बल्कि आत्मनिर्भर बनना है. दुनिया में बहुत कुछ मिलता है, सस्ता मिलता है, जल्दी मिलता है लेकिन उससे हमारा सामर्थ्य तैयार नहीं होता. इसलिए हमें भी अपनी क्षमताओं को बढ़ाना है. पीएम मोदी ने आगे कहा कि भारत ने आत्मनिर्भरता की दिशा में अपने सेमीकंडक्टर प्लांट लगाए हैं, इनमें तीन शुरू हो गए, जबकि 7-8 साल में और प्लांट शुरू होंगे. प्रधानमंत्री के मुताबिक, आज की डिजिटल वर्ल्ड में हम चिप का महत्व समझते हैं. इसके बिना दुनिया थम जाएगी. अपने हितों की सुरक्षा हमें खुद करनी है इसलिए आत्मनिर्भर भारत का संकल्प लेकर हम आगे बढ़ रहे हैं।

स्वतंत्रता दिवस समारोह: मुख्यमंत्री साय ने पुलिस परेड ग्राउंड पर किया ध्वजारोहण, परेड की ली सलामी

■ हर्षोल्लास के साथ मनाया गया आजादी का 80वां पर्व

■ 17 प्लाटूनों ने परेड में किया आकर्षक मार्च पास्ट

■ उत्कृष्ट दलों को मिले पुरस्कार

रायपुर (विश्व परिवार)। राजधानी रायपुर के पुलिस परेड ग्राउंड में स्वतंत्रता दिवस का आयोजन पूरे हर्षोल्लास और गरिमा के साथ संपन्न हुआ। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने सुबह 9 बजे ध्वजारोहण किया और परेड की सलामी ली। मुख्यमंत्री ने प्रदेश की जनता के नाम अपने संदेश का वाचन भी किया।

समारोह में 17 प्लाटूनों ने भव्य मार्च पास्ट कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। यह मार्च पास्ट भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी श्री विमल कुमार पाठक के नेतृत्व में हुई। इस बार बिहार प्रदेश की पुलिस टुकड़ी आमंत्रित वर्ग में परेड में शामिल हुई। परेड के टूआईसी श्री निशांत गौरव कुर्रे थे। परेड में सीमा सुरक्षा बल, सीआरपीएफ आईटीबीपी, सीआईएसएफ एसएसबी, छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल (पुरुष-महिला), छत्तीसगढ़ पुलिस, जेल पुलिस, नगर सेना (पुरुष-महिला), एनसीसी (बालक-बालिका), बैण्ड प्लाटून, घुड़सवार दल और डॉग स्क्वॉड शामिल रहे। समारोह में महिला बैग पाईपर बैंड दल ने भी आकर्षक प्रस्तुती दी।

स्वतंत्रता दिवस समारोह की परेड में उत्कृष्ट दलों को मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने सम्मानित किया। केन्द्रीय बलों के वर्ग में भारत तिब्बत सीमा पुलिस की टुकड़ी को पहला स्थान मिला। आईटीबीपी के दल को पांच हजार रूपए और ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। दूसरे स्थान पर सीमा सुरक्षा बल और तीसरे स्थान पर केन्द्रिय रिजर्व पुलिस बल का दल रहा। सीमा सुरक्षा बल की टुकड़ी को तीन हजार रूपए और सीआरपीएफ की टुकड़ी को दो हजार रूपए नकद राशि के साथ ट्राफी प्रदान कर सम्मानित किया गया।

राज्य बलों के वर्ग में पहला स्थान छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल (महिला) को प्राप्त हुआ। विजेताओं को पांच हजार रूपए और ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। छत्तीसगढ़ जेल पुलिस का दल दूसरे स्थान पर रहा, जिसे तीन हजार रूपए और ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। छत्तीसगढ़ सशस्त्र पुलिस बल (पुरूष) ने तीसरा स्थान प्राप्त किया, जिन्हें दो हजार रूपए की नकद राशि और ट्रॉफी से नवाजा गया।

कंटीजेंट एनसीसी वर्ग में पहला स्थान एनसीसी गर्ल्स और दूसरा स्थान एनसीसी बॉयज के दल को मिला। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने दोनों दल कमांडरों को ट्रॉफी प्रदान कर प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर परेड-टू-आईसी श्री निशांत गौरव कुर्रे, परेड कमांडर श्री विमल कुमार पाठक, महिला बैग पाईपर दल की कमांडर श्रीमती सोनबती ठाकुर, घुड़सवार दल के कमांडर श्री अनिल यादव, श्वान दल के कमांडर श्री राज कपूर सहित परेड प्रस्तुतियोजन के लिए डॉ. अनुराधा दुबे और श्री मनीष परमानंद को भी प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए।

एनएमडीसी, बचेली में हर्षोल्लास से मनाया गया स्वतंत्रता दिवस

बचेली (विश्व परिवार)। एनएमडीसी, बचेली कॉम्प्लेक्स में देश का 80वाँ स्वतंत्रता दिवस समारोह हर्षोल्लास एवं गरिमामय वातावरण में डीएवी पब्लिक स्कूल के प्रांगण में मनाया गया। समारोह के मुख्य अतिथि परियोजना प्रमुख श्री श्रीधर कोडाली, मुख्य महाप्रबंधक ने ध्वजारोहण किया तथा परेड का निरीक्षण कर उपस्थित जनसमुदाय को स्वतंत्रता दिवस का संदेश दिया। अपने संबोधन में श्री कोडाली ने स्वतंत्रता संग्राम के वीर शहीदों एवं स्वतंत्रता सेनानियों को नमन करते हुए कहा कि देश वर्ष 2047 तक एक

विकसित, आत्मनिर्भर, समावेशी एवं सशक्त राष्ट्र बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने बताया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में एनएमडीसी ने 53 मिलियन टन लौह अयस्क उत्पादन का ऐतिहासिक कीर्तिमान स्थापित किया, जिसमें बचेली कॉम्प्लेक्स का 174.73 लाख टन का उल्लेखनीय योगदान रहा। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण एवं ष्टस्त्र गतिविधियों के माध्यम से क्षेत्र के सामाजिक एवं आर्थिक विकास में एनएमडीसी के योगदान को रेखांकित किया। उन्होंने बताया कि बालिका शिक्षा, कौशल प्रशिक्षण, स्वास्थ्य सेवाओं तथा स्थानीय विकास कार्यों के माध्यम से एनएमडीसी समुदाय के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है।

समारोह में विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों द्वारा देशभक्ति एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दी गईं। इस अवसर पर नेहरू श्रम पुरस्कार, श्रेष्ठ श्रमिक पुरस्कार, एनएमडीसी मेधावी छात्र पुरस्कार, नेहरू स्मृति उत्कृष्ट छात्र पुरस्कार तथा सर्वश्रेष्ठ सीआईएसएफकर्मी सहित विभिन्न पुरस्कार प्रदान किए गए।

इस अवसर पर विभिन्न विभागाध्यक्ष, श्रमिक संघों के पदाधिकारी, एनएमडीसी अधिकारियों व कर्मचारियों तथा नगरवासियों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

मुख्य अतिथि ने एनएमडीसी बचेली के सभी अधिकारियों, कर्मचारियों, संविदा कर्मियों, श्रमिकों, चिकित्सकों, शिक्षकों, ष्टड्डस्त्र जवानों एवं उनके परिवारजनों के योगदान की सराहना करते हुए सभी से निष्ठा, ईमानदारी एवं टीम भावना के साथ एनएमडीसी की प्रगति, क्षेत्र के विकास और राष्ट्र निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया। समारोह का समापन डीएवी पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों द्वारा राष्ट्रगीत एवं राष्ट्रगान की प्रस्तुति के साथ हुआ।

मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय रायपुर में मंडल रेल प्रबंधक श्री दयानंद ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया

■ 80वें स्वतंत्रता दिवस पर मंडल रेल प्रबंधक श्री दयानंद ने रेल परिवार को किया संबोधित

रायपुर (विश्व परिवार)। पूरे राष्ट्र के साथ 80वां स्वतंत्रता दिवस दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रायपुर रेल मंडल में विभिन्न कार्यालयों एवं संस्थानों में पारंपरिक उत्साह और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। मंडल का मुख्य स्वतंत्रता दिवस समारोह मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, रायपुर के प्रांगण में आयोजित किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में मंडल रेल प्रबंधक श्री दयानंद तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में अध्यक्षा, सेक्रो श्रीमती शिखा सिंह की गरिमामयी उपस्थिति रही।

कार्यक्रम का शुभारंभ वंदे मातरम् राष्ट्रगीत के साथ हुआ। इसके पश्चात मंडल रेल प्रबंधक श्री दयानंद ने प्रात: 9:00 बजे राष्ट्रीय ध्वज फहराया। राष्ट्रगान की सुमधुर धुन के बीच राष्ट्रीय ध्वज को सलामी दी गई। पुन: राष्ट्रगीत एवं राष्ट्रगान गाया गया। इस अवसर पर मंडल रेल सुरक्षा बल, सिविल डिफेंस तथा स्काउट एवं गाइड के सदस्यों द्वारा आकर्षक मार्चपास्ट प्रस्तुत किया गया।

मंडल रेल प्रबंधक श्री दयानंद ने परेड का निरीक्षण कर सलामी ली। उन्होंने अपने संबोधन में स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि स्वतंत्रता दिवस देश के लिए एक ऐतिहासिक एवं गौरवशाली अवसर है। उन्होंने देश की स्वतंत्रता के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर करने वाले स्वतंत्रता सेनानियों एवं वीर शहीदों को श्रद्धापूर्वक स्मरण किया।

श्री दयानंद ने रायपुर रेल मंडल की उपलब्धियों एवं रेल परिचालन को सुरक्षित, संरक्षित, सुचारु एवं यात्री सुविधाओं से युक्त बनाने में योगदान देने वाले सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों की सराहना की।

उन्होंने कहा कि रेलवे की प्रगति में प्रत्येक रेलकर्मी की महत्वपूर्ण भूमिका है तथा सभी के सामूहिक प्रयासों से ही बेहतर परिणाम प्राप्त किए जा सकते हैं। उन्होंने मीडिया सदस्यों , रेल परिवार के सदस्यों, यात्रियों, विभिन्न कर्मचारी संगठनों एवं सेक्रो की पदाधिकारियों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक श्री दयानंद एवं अध्यक्षा सेक्रो श्रीमती शिखा सिंह ने राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता के प्रतीक तिरंगे रंग के गुब्बारों को आकाश में छोड़कर उपस्थित सभी लोगों में देशभक्ति एवं उत्साह का संचार किया।

समारोह में स्कूली बच्चों तथा स्काउट एवं गाइड के सदस्यों द्वारा देशभक्ति से ओत-प्रोत आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। प्रस्तुतियों ने समारोह में उपस्थित रेलकर्मियों एवं अतिथियों को भाव-विभोर कर दिया तथा पूरे वातावरण को देशभक्ति के रंग में रंग दिया।

कार्यक्रम के दौरान अपर मंडल रेल प्रबंधक श्री बजरंग अग्रवाल, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, मुख्य परियोजना प्रबंधक, वरिष्ठ मंडल अधिकारीगण, सेक्रो की पदाधिकारीगण, कर्मचारी संगठनों के प्रतिनिधिगण, मीडिया प्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में रेलकर्मी उपस्थित रहे।

अनुज शर्मा ने धरसींवा में किया ध्वजारोहण

■ बोले- बात कम, काम ज्यादा के सिद्धांत पर छत्तीसगढ़ में बह रही सुशासन की बयार

धरसींवा (विश्व परिवार)। देश के 80वें स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर धरसींवा विधानसभा क्षेत्र में भारी राष्ट्रभक्ति और उत्साह देखा गया। इस ऐतिहासिक मौके पर क्षेत्रीय विधायक अनुज शर्मा ने विभिन्न गरिमामय कार्यक्रमों में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। उन्होंने सुबह सेवा सदन धरसींवा और विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी (B.E.O.) कार्यालय परिसर में आयोजित भव्य समारोहों में विधिवत ध्वजारोहण किया। ध्वजारोहण के उपरांत राष्ट्रगान की गूंज के बीच विधायक ने तिरंगे को सलामी दी और देश की आजादी के लिए सर्वस्व न्योछावर करने वाले अमर शहीदों को नमन किया।

शहीदों के चरणों में झुकाया शीश

इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए विधायक अनुज शर्मा ने कहा, 'आज का यह पावन दिन केवल एक उत्सव नहीं है। यह उन अनगिनत स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों और अमर शहीदों को नमन करने का दिन है, जिन्होंने अपनी छाती पर गोलियाँ खाकर हमें आजादी की खुली हवा में सांस लेने का अवसर दिया। मैं उन सभी वीर सपूतों के चरणों में शीश झुकाकर कोटि-कोटि प्रणाम करता हूँ।'

पीएम मोदी के 'विकसित भारत' और आत्मनिर्भरता पर जोर

विधायक श्री शर्मा ने वैश्विक पटल पर भारत की बढ़ती ताकत का जिक्र करते हुए कहा, आज जब भारत अंतरिक्ष से लेकर रक्षा और तकनीक के क्षेत्र में पूरी दुनिया में अपना परचम लहरा रहा है, तो यह हम सभी देशवासियों के लिए गर्व का क्षण है।

सीएम साय ने किया केयर कैंसर इंस्टिट्यूट का उद्घाटन, अब छत्तीसगढ़ में मिलेगा अत्याधुनिक कैंसर उपचार

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ में कैंसर के मरीजों को बेहतर और अत्याधुनिक उपचार उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने रामकृष्ण केयर हॉस्पिटल्स, रायपुर में केयर कैंसर इंस्टिट्यूट का उद्घाटन किया। इस अत्याधुनिक कैंसर संस्थान के शुरू होने से प्रदेश के मरीजों को कैंसर की जांच, सटीक निदान, सर्जरी, कीमोथेरेपी, रेडिएशन थेरेपी और अन्य जरूरी उपचार एक ही स्थान पर मिल सकेंगे।

उद्घाटन समारोह में छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री रमन सिंह; नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरण दास महंत; स्वास्थ्य, परिवार कल्याण एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल; रामकृष्ण केयर हॉस्पिटल्स के मेडिकल एवं मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ. संदीप दवे; एस्टर डीएम क्वालिटी केयर लिमिटेड के सीईओङ्कइंडिया ढ्ढढ्ढ डॉ. पवन कुमार; रामकृष्ण केयर हॉस्पिटल्स के डायरेक्टर महादेवन नारायणमोनी; ग्रुप मेडिकल डायरेक्टर प्रो. डॉ. सोमशेखर एस.पी.; रीजनल सीईओ हरीश त्रिवेदी और प्रेसिडेंटङ्कसेल्स एवं मार्केटिंग शलभ डांग सहित वरिष्ठ डॉक्टर, अस्पताल प्रबंधन, स्वास्थ्यकर्मी और अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

छत्तीसगढ़ में कैंसर के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। प्रदेश में हर दिन करीब 100 नए कैंसर के मामले सामने आने का अनुमान है। वर्ष 2025 में करीब 31,553 कैंसर के मामले अनुमानित थे, जबकि 2024 में यह संख्या 30,763 थी। ये आंकड़े कैंसर की समय पर जांच, शुरुआती पहचान और प्रदेश के भीतर ही विशेषज्ञ उपचार की उपलब्धता बढ़ाने की जरूरत को रेखांकित करते हैं।

अभी छत्तीसगढ़ और आसपास के क्षेत्रों से कई मरीजों को विशेष कैंसर उपचार के लिए बड़े महानगरों का रुख करना पड़ता है। इलाज कई महीनों तक चलने के कारण मरीजों और उनके परिजनों को बार-बार लंबी दूरी तय करनी पड़ती है। इससे उन पर शारीरिक और मानसिक दबाव के साथ आर्थिक बोझ भी बढ़ता है।

नए केयर कैंसर इंस्टिट्यूट में सर्जिकल ऑन्कोलॉजी, मेडिकल ऑन्कोलॉजी, रेडिएशन ऑन्कोलॉजी, न्यूक्लियर मेडिसिन तथा प्लास्टिक एवं रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी के विशेषज्ञ एक साथ मिलकर मरीजों का उपचार करेंगे।

यहां मरीजों को जांच और निदान से लेकर ट्रीटमेंट प्लानिंग, सर्जरी, सिस्टमिक थेरेपी, रेडिएशन थेरेपी, क्रिटिकल केयर, सपोर्टिव केयर और पैलिएटिव केयर तक की सुविधाएं समन्वित तरीके से उपलब्ध होंगी।

इंस्टिट्यूट में डे-केयर कीमोथेरेपी बेड, सटीक रेडिएशन थेरेपी के लिए वर्सा एचडी लीनियर एक्सेलेरेटर, बेहतर और सटीक जांच के लिए एआई-सक्षम पीईटी-सीटी मशीन, विशेष बोन मैरो ट्रांसप्लांट सुइट्स और ट्यूमर बोर्ड रूम जैसी आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध हैं। मरीजों की रिकवरी और सुविधा को ध्यान में रखते हुए संस्थान के डिजाइन और वातावरण पर भी विशेष ध्यान दिया गया है।

केयर कैंसर इंस्टिट्यूट को छत्तीसगढ़ में रामकृष्ण केयर हॉस्पिटल्स की 36 वर्षों की चिकित्सा सेवा और अनुभव का मजबूत आधार मिला है। तीन दशक से अधिक समय में अस्पताल ने छत्तीसगढ़ के साथ पड़ोसी राज्यों के मरीजों को भी जटिल बीमारियों में विशेषज्ञ चिकित्सा सेवाएं प्रदान की हैं।

कैंसर के ऐसे मरीज जिन्हें दूसरी जटिल स्वास्थ्य समस्याएं भी हैं, उन्हें अस्पताल की अन्य मेडिकल और सर्जिकल विशेषज्ञताओं का लाभ भी एक ही अस्पताल परिसर में मिल सकेगा।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा, 'कैंसर पूरे देश के साथ छत्तीसगढ़ के लिए भी एक बढ़ती स्वास्थ्य चुनौती है। हमारी सरकार स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूत करने, स्क्रीनिंग और शुरुआती जांच को बढ़ावा देने तथा प्रदेश के भीतर गुणवत्तापूर्ण इलाज उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। केयर कैंसर इंस्टिट्यूट जैसी अत्याधुनिक सुविधाएं इस दिशा में हमारे प्रयासों को और मजबूती देंगी। इससे मरीजों को विशेषज्ञ जांच और उपचार अपने घर के नजदीक मिल सकेगा और उन्हें इलाज के लिए लंबी दूरी तय करने की जरूरत कम होगी।'

छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री रमन सिंह ने कहा, 'पिछले वर्षों में छत्तीसगढ़ ने स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति की है। रायपुर में अत्याधुनिक कैंसर उपचार सुविधाओं का जुड़ना इस यात्रा में एक और महत्वपूर्ण कदम है। आधुनिक तकनीक और विशेषज्ञ उपचार को मरीजों के करीब लाने वाले संस्थान प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था को और मजबूत करेंगे।'

स्वास्थ्य, परिवार कल्याण एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा, 'कैंसर के खिलाफ लड़ाई में बीमारी की शुरुआती पहचान और समय पर उपचार बेहद महत्वपूर्ण है। हमारा प्रयास है कि छत्तीसगढ़ के लोगों को जागरूकता, स्क्रीनिंग, जांच और गुणवत्तापूर्ण उपचार की बेहतर सुविधाएं प्रदेश में ही उपलब्ध हों। केयर कैंसर इंस्टिट्यूट आधुनिक तकनीक और विशेषज्ञ सेवाओं के माध्यम से इन प्रयासों को और मजबूती देगा।'

डॉ. पवन कुमार, सीईओ-इंडिया II, एस्टर डीएम क्वालिटी केयर लिमिटेड ने कहा, 'हमारा प्रयास है कि उच्च गुणवत्ता वाली विशेषज्ञ स्वास्थ्य सेवाएं लोगों को उनके घर के नजदीक उपलब्ध हों। केयर कैंसर इंस्टिट्यूट में आधुनिक तकनीक, विभिन्न क्षेत्रों के कैंसर विशेषज्ञ और समन्वित उपचार व्यवस्था को एक साथ लाया गया है। यह संस्थान छत्तीसगढ़ में रामकृष्ण केयर हॉस्पिटल्स की 36 वर्षों की सेवा और भरोसे की विरासत पर आधारित है। हमारा उद्देश्य मरीजों को कैंसर की पूरी उपचार यात्रा के दौरान बेहतर और निर्बाध देखभाल उपलब्ध कराना तथा रायपुर को मध्य भारत में एडवांस्ड कैंसर केयर के एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में मजबूत करना है।'

डॉ. संदीप दवे, मेडिकल एवं मैनेजिंग डायरेक्टर, रामकृष्ण केयर हॉस्पिटल्स ने कहा, 'कैंसर की शुरुआती अवस्था में पहचान हो जाए और सही उपचार समय पर शुरू हो, तो मरीज के बेहतर परिणाम की संभावना काफी बढ़ जाती है। केयर कैंसर इंस्टिट्यूट के माध्यम से हमारा ध्यान केवल अत्याधुनिक उपचार पर ही नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ में कैंसर स्क्रीनिंग और शुरुआती जांच को बढ़ावा देने पर भी रहेगा। मरीजों के नजदीक ये सेवाएं उपलब्ध होने से वे समय पर चिकित्सा सलाह ले सकेंगे और विशेष उपचार के लिए दूर जाने की जरूरत भी कम होगी।'

निगम भिलाई में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया 80वां स्वतंत्रता दिवस

भिलाईनगर (विश्व परिवार)। देश के 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर 15 अगस्त 2026 को नगर पालिक निगम भिलाई के मुख्य कार्यालय, सुपेला में गरिमामय एवं हर्षोल्लासपूर्ण वातावरण में स्वतंत्रता दिवस समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में महापौर नीरज पाल ने प्रातः 8:00 बजे ध्वजारोहण कर राष्ट्रध्वज को सलामी दी। इस अवसर पर निगम आयुक्त सुरुचि सिंह, सभापति गिरवर बंटी साहू, नेता प्रतिपक्ष भोजराज सिन्हा, सांसद प्रतिनिधि प्रमोद सिंह, महापौर परिषद सदस्य लालचन्द वर्मा, आदित्य सिंह, चंद्रशेखर गवई, पार्षद सुरेश कुमार वर्मा, चंदेश्वरी बांधे सहित अपर आयुक्त राजेंद्र कुमार दोहरे, मुख्य अभियंता अजीत कुमार तिग्गा, उपायुक्त नरेंद्र बंजारे, अधीक्षण अभियंता वेशराम सिन्हा निगम के जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। ध्वजारोहण के पश्चात महापौर नीरज पाल द्वारा यूनियन कार्यालय, नेहरू नगर चौक, श्रीराम वाटिका खुर्सीपार एवं शहीद उद्यान सेक्टर-05 में भी ध्वजारोहण किया गया। इन अवसरों पर उपस्थित नागरिकों एवं निगम कर्मचारियों ने राष्ट्रगान के साथ देश की स्वतंत्रता और राष्ट्रीय एकता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

सरहद के प्रहरियों के लिए छत्तीसगढ़ से भेजी गईं रिकॉर्ड 21 लाख राखियां

रायपुर (विश्व परिवार)। देश की सीमाओं पर तैनात वीर जवानों के शौर्य और त्याग के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने के उद्देश्य से संचालित 'ऑपरेशन सिपाही रक्षा-सूत्र अभियान 2026' (संस्करण 0.4) ने इस वर्ष ऐतिहासिक सफलता हासिल की है।

छत्तीसगढ़ की महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े की प्रदेशव्यापी मार्मिक अपील और प्रेरणा से इस वर्ष प्रदेशभर से रिकॉर्ड 21 लाख राखियां एकत्र की गई हैं। यह पावन रक्षा-सूत्र, शुभकामना पत्र और छत्तीसगढ़ के आंगनों की पवित्र मिट्टी पूर्व सैनिक महासभा के माध्यम से देश की विभिन्न सीमाओं पर तैनात सैनिकों तक पहुंचाई जाएगी।

अंबिकापुर में मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने पूर्व सैनिकों को सौंपा रक्षा-सूत्रों का संग्रह संभाग मुख्यालय अंबिकापुर में आयोजित 'ऑपरेशन सिपाही रक्षा-सूत्र 0.4' के भव्य कार्यक्रम में महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं।

इस दौरान अंबिकापुर व सरगुजा संभाग से एकत्र किए गए विशाल रक्षा-सूत्र संग्रह को पूर्व सैनिक महासभा के पदाधिकारियों को विधिवत सौंपा गया। यह रक्षा-सूत्र यात्रा अंबिकापुर से आगे बढ़ते हुए जशपुर पहुंचेगी और वहां से प्रदेश के अन्य पड़ावों को पूरा करते हुए नई दिल्ली स्थित सेना मुख्यालय के लिए रवाना होगी।

मैक में 80वें स्वतंत्रता दिवस समारोह थीम - 'आजादी गोज ग्रीन'

रायपुर (विश्व परिवार)। महाराजा अग्रसेन इंटरनेशनल कॉलेज, रायपुर में 80वाँ स्वतंत्रता दिवस अत्यंत उत्साह, देशभक्ति एवं पर्यावरण संरक्षण के संदेश के साथ मनाया गया। इस वर्ष समारोह की थीम ष्आजादी गोज ग्रीनष् रखी गई, जिसके माध्यम से विद्यार्थियों एवं उपस्थित अतिथियों को स्वच्छ, हरित एवं पर्यावरण-सचेत भारत के निर्माण में अपना योगदान देने के लिए प्रेरित किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री विजय गोयल चेयरमेन, छत्तीसगढ. प्राइवेट यूनीवर्सिटी कमीषन थे। विशिष्ट अतिथियों के रूप में श्री रामअवतार अग्रवाल अध्यक्ष, छत्तीसगढ. अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन एवं श्री अशोक अग्रवाल सचिव, छत्तीसगढ. प्राइवेट यूनीवर्सिटी रेगुलेट्ररी कमीषन उपस्थित रहे। इस अवसर पर चेयरमैन श्री रमेश अग्रवाल, पूर्व चेयरमैन श्री राजेश अग्रवाल, सचिव श्रीमती सरिता अग्रवाल, प्राचार्य डॉ. जैस्मीन जोशी, उप-प्राचार्य डॉ. श्वेता तिवारी, प्रशासक शिवांगी मिश्रा तथा एचआर हेड शाहीन शेख सहित महाविद्यालय के सभी संकाय सदस्य एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय परिसर में अतिथियों के स्वागत से हुआ। रोवर-रेंजर दल ने अतिथियों का स्वागत करते हुए उन्हें समारोह स्थल तक पहुँचाया। इसके पश्चात भारत माता एवं स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। राष्ट्रीय ध्वज फहराने के बाद राष्ट्रगान का सामूहिक गायन किया गया, जिसमें सभी ने राष्ट्र के प्रति अपनी श्रद्धा एवं सम्मान व्यक्त किया। इसके उपरांत विद्यार्थियों एवं महाविद्यालय की टीम द्वारा अनुशासन, एकता एवं देशभक्ति का परिचय देते हुए मार्च पास्ट प्रस्तुत किया गया।

कार्यक्रम में मैक म्यूजिक टीम ने देशभक्ति गीतों की मनमोहक प्रस्तुति दी। विद्यार्थियों द्वारा आकर्षक सांस्कृ-तिक एवं नृत्य प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोह लिया। छात्र-छात्राओं के प्रेरणादायी भाषणों में स्वतंत्रता संग्राम, राष्ट्र निर्माण, युवा सशक्तिकरण एवं पर्यावरण संरक्षण के महत्व को रेखांकित किया गया। मंच पर उपस्थित अतिथियों को पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मान किया गया। प्राचार्य डॉ. जैस्मीन जोशी ने स्वागत उद्बोधन प्रस्तुत किया। इसी अवसर पर महाविद्यालय की वार्षिक पत्रिका का भी विधिवत विमोचन किया गया। समारोह के दौरान विश्वविद्यालय टॉपर विद्यार्थियों तथा निपुण कैंप से जुड़े छात्र-छात्राओं को सम्मानित कर उनकी उपलब्धियों की सराहना की गई।

इस अवसर पर उपस्थित सभी गणमान्य अतिथियों ने प्रेरणादायी उद्बोधन दिए। प्राचार्य डॉ. जैस्मीन जोशी ने विद्यार्थियों को तकनीकी रूप से सक्षम एवं पर्यावरण-संपन्न भारत के निर्माण में योगदान देने के लिए प्रेरित किया। सचिव श्रीमती सरिता अग्रवाल ने सभी को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएँ दीं। चेयरमैन डॉ. रमेश अग्रवाल एवं पूर्व चेयरमेन श्री राजेष अग्रवाल ने समारोह की सफलता पर सभी को हार्दिक बधाई दी।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-4)
प्रेस क्लब, पानी टंकी के नीचे, छोटापारा, रायपुर
E-mail ID - rmczone4@gmail.com

पत्र क्र./34198/ न.पा.नि./जोन क्र.-4/2026
रायपुर, दिनांक 14-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34198
वार्ड का नाम-43- ब्राम्हणपारा वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 43 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR758C00217** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SANJAY SHUKLA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **S/O JAGESHWAR PRASAD** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **MRITUNJAY SHUKLA** पिता/पति श्री/श्रीमती **S/O LT. JAGESHWAR PRASAD SHUKLA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत दानपत्र** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती दिव्या चंद्रवंशी
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-4
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

MUNICIPAL CORPORATION, RAIPUR
OFFICE OF THE COMMISSIONER MUNICIPAL CORPORATION
e-Procurement Tender Notice
Main Portal: http://eproc.cgstate.gov.in
2nd call

NIT NO: 157/PWD/Zone-9/2026 — **RAIPUR DATED: 14/08/2026**

Online bids are invited for the following works of works up to **Date 31/08/2026 at 17:30 hours.**

Sr. No	System Tender No.	Name of Work	Amount of the Estimate	Earnest Money Deposit	Eligible class of contractor /firm	Time allowed for Completion	SOR Applicable
01	197472	वार्ड क्रमांक-10 (मोवा) सामुदायिक भवन में शौचालय निर्माण कार्य (कुर्मी समाज)	1000000/-	7500/-	Class- D & above	06 माह	लोक निर्माण विभाग के भवन एस.ओ.आर 01.01.2015 से प्रभावशील एवं निविदा दिनांक तक संशोधित

The details can be viewed and downloaded online directly from the Government of Chhattisgarh e-Procurement Portal https://eproc.cgstate.gov.in from 14/08/2026 17.30 Hours (IST) on wards.

For more details on the tender and bidding process you may please visit the above-mentioned portal.

NOTE: -
1. All eligible/interested contractors are mandated to get enrolled on e-Procurement portal.
2. Contractors can contact Help Desk for any clarification of their doubts regarding the process of Electronic Procurement System. *Help Desk* at Toll Free No. 18004199140 or through Email ID helpdesk.eproc@cgswan.gov.in
3. कार्य के लिए निविदा शुल्क देना होगा। निविदा शुल्क रु. 750.00 का बैंक ड्राफ्ट अथवा बैंकर चेक जो कि आयुक्त नगर पालिक निगम रायपुर के नाम से होगा तथा वापसी अयोग्य होगी।

Zone Commissioner
ZONE-9
MUNICIPAL CORPORATION
RAIPUR (C.G.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-9)
पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुर
E-mail ID - rmczone9@gmail.com

पत्र क्र. /34383/ न.पा.नि./जोन क्र.-9/2026
रायपुर, दिनांक 16-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34383
वार्ड का नाम- 51 - लाल बहादुर शास्त्री वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **51** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR446V0952A** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **AKALHA RAM SAHU** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SANT RAM SAHU** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **तेजेस्वरी साहू** पिता/पति, श्री/श्रीमती **स्व. अंकलहा राम साहू** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **शपथ पत्र, सहमती पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र, टैक्स रसीद**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-9
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-9)
पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुर
E-mail ID - rmczone9@gmail.com

पत्र क्र. /34426/ न.पा.नि./जोन क्र.-9/2026
रायपुर, दिनांक 16-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34426
वार्ड का नाम- 32 - महर्षि वाल्मीकि वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **32** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR328Q00084** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **YASHWANT AGARWAL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **RAMJI LAL AGARWAL** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **कु. हिमांशु मलिक** पिता/पति, श्री/श्रीमती **ब्रम्ह सिंग मलिक** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-9
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-9)
पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुर
E-mail ID - rmczone9@gmail.com

पत्र क्र. /34425/ न.पा.नि./जोन क्र.-9/2026
रायपुर, दिनांक 16-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34425
वार्ड का नाम- 32 - महर्षि वाल्मीकि वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **32** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR328R00407** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **DHARMENDRA SINGH THAKUR** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SURENDRA SINGH THAKUR** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **प्रीति डोंगरे** पिता/पति, श्री/श्रीमती **राकेश डोंगरे** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-9
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-2)
शहीद स्मारक स्कूल भवन, फाफाडीह, रायपुर
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं./34497/न.पा.नि./जोन क्रं.-2/2026
रायपुर दिनांक : 16-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34497
वार्ड का नाम- 35- हवलदार अब्दुल हमीद वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि **35** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.-**RPR235I00085** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **BINA PARMAR** पिता/पति, श्री/श्रीमती **BHARAT PARMAR** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **श्री दिनेश सिन्हा** पिता/पति, श्री/श्रीमती **श्री रोहन सिन्हा** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
(जोन कमिश्नर)
जोन (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-2)
शहीद स्मारक स्कूल भवन, फाफाडीह, रायपुर
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं./34496/न.पा.नि./जोन क्रं.-2/2026
रायपुर दिनांक : 16-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34496
वार्ड का नाम- 28- शहीद हेमूकालाणी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि **28** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.-**RPR235G00001** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **BHAGATSINGH CHAWLA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LATE. INDERSINGH CHAVLA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **श्री हरिन्दर सिंह चावला** पिता/पति, श्री/श्रीमती **स्व. श्री भगत सिंह चावला** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत वसीयत नामा**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-4)
प्रेस क्लब, पानी टंकी के नीचे, छोटापारा, रायपुर
E-mail ID - rmczone4@gmail.com

पत्र क्र./34137/ न.पा.नि./जोन क्र.-4/2026
रायपुर, दिनांक 14-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34137
वार्ड का नाम-43- ब्राम्हणपारा वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **43** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR758A00023** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **CHHOTE LAL PATWA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **S/O PYARE LAL** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SMT. SHAKUNTALA PATWA** पिता/पति श्री/श्रीमती **W/O GAJENDRA PRASAD NAMDEV** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **वसीयतनामा एवं शपथ पत्र संलग्न** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती दिव्या चंद्रवंशी
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-4
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-2)
शहीद स्मारक स्कूल भवन, फाफाडीह, रायपुर
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं./34498/न.पा.नि./जोन क्रं.-2/2026
रायपुर दिनांक : 16-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34498
वार्ड का नाम- 26- दानवीर भामाशाह वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि **26** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.-**RPR109A00211** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **MOHAN LAL SAHU** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SHAMBHU LAL** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **श्री भगत राम साहू** पिता/पति, श्री/श्रीमती **स्व. श्री शम्भू लाल साहू** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **शपथ पत्र, मलमा बिक्री नामा**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-3)
शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर
E-mail ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्र./34415/ न.पा.नि./जोन क्र.-3/2026
रायपुर, दिनांक 14-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34415
वार्ड का नाम-29- गुरू गोविंद सिंह वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड- **29** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR334C0184A** जो कि निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **MD. SAMIR** पिता/पति श्री/श्रीमती **S/O MD. SALIM** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **MOHD ZUBER ALAM** पिता/पति श्री/श्रीमती **S/O SHEKH KUDIS** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं.- (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रियेश कुमार जैन द्वारा आसमां पब्लिसर्स इंडिया प्रा.लि. पंजाब नेशनल बैंक के सामने, जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित एवं ओलंपस जिम के पीछे, सेक्टर-1, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक : प्रदीप कुमार जैन, फोन नं. : 0771- 4017966, मो.- 9981924252 RNI.NO.CHHHIN/2013/50354

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

प्रादेशिकी

रायपुर, सोमवार 17 अगस्त 2026

सरगुजा सांसद चिंतामणि महाराज एवं मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने अपना कराया स्वास्थ्य परीक्षण

लाइफलाइन एक्सप्रेस का बिश्रामपुर में शुभारंभ पहले ही दिन 866 मरीजों ने कराया पंजीयन

गोपाल सिंह विद्रोही

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार) इम्पैक्ट इंडिया फाउंडेशन की 256वीं लाइफलाइन एक्सप्रेस (जीवन रेखा एक्सप्रेस) का शुभारंभ आज बिश्रामपुर रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर दो पर हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सरगुजा सांसद चिंतामणी महाराज व विशेष अतिथि के रूप में महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े मंचासीन थीं।

सरगुजा सांसद श्री चिंतामणी महाराज ने रिबन काटकर इस चलते-फिरते अस्पताल का विधिवत उद्घाटन किया। यह ऐतिहासिक हॉस्पिटल ट्रेन जिले में चौथी बार पहुंची है, जहां 16 अगस्त से 05 सितम्बर 2026 तक नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर संचालित किया जाएगा। शिविर में प्रतिदिन प्रात: 09 बजे से सायं 04 बजे तक ओपीडी संचालित होगी तथा मरीजों की जांच एवं शल्य चिकित्सा पूर्णत: नि:शुल्क की जाएगी। मुख्य अतिथि सांसद श्री चिंतामणी महाराज ने फीता काटकर लाइफलाइन एक्सप्रेस का उद्घाटन किया। इसके पश्चात अतिथियों ने ट्रेन के विभिन्न कोच का अवलोकन किया।

इसके साथ ही जनप्रतिनिधिगण, इम्पैक्ट फाउंडेशन की टीम व जिला प्रशासन के अधिकारियों की उपस्थिति में ऑपरेशन थिएटर, रिकवरी रूम एवं पंजीयन काउंटर का अवलोकन किया गया। उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली गई तथा उपचार कराने पहुंचे मरीजों से आत्मीय चर्चा कर उनका कुशलक्षेम जाना।

सूरजपुर कलेक्टर रेना जमील ने अधिकारी-कर्मचारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि लाइफलाइन एक्सप्रेस तक मरीजों को पहुंचाने के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं हर हाल में सुनिश्चित की जाएं। उन्होंने कहा कि वर्षा का मौसम है, अत: ट्रेन के आसपास कहीं भी जल जमाव न हो, इसका समुचित प्रबंध किया जाए। कलेक्टर ने कहा कि शिविर स्थल तक आवागमन, बैठक, पंजीयन एवं साफ-सफाई की व्यवस्था इस प्रकार हो कि यहां पहुंचने वाले मरीजों को बगैर किसी असुविधा के नि:शुल्क स्वास्थ्य सुविधाएं सुलभ हो सकें। उन्होंने संबंधित विभागों को आपसी समन्वय बनाकर कार्य करने तथा प्रतिदिन व्यवस्थाओं की निगरानी करने के निर्देश भी दिए। अपर कलेक्टर जगन्नाथ वर्मा के मार्गदर्शन में नगर पंचायत विश्रामपुर शिवनंदनपुर के कर्मचारी व्यवस्था में लगे है।

प्रारंभ में इम्पैक्ट इंडिया फाउंडेशन के प्रतिनिधियों ने प्रोजेक्ट की रूपरेखा, शिविर की कार्यक्रम अनुसूची एवं उपलब्ध चिकित्सा सुविधाओं की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की।

कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में श्री बाबूलाल अग्रवाल, श्रीमती निर्मला यादव, श्री रितेश जायसवाल, सहित जनप्रतिनिधिगण, कलेक्टर श्रीमती रेना जमील, जिला पंचायत सीईओ विजेन्द्र सिंह पाटले, अपर कलेक्टर श्री जगन्नाथ वर्मा, एसडीएम श्रीमती शिवानी जायसवाल, इम्पैक्ट इंडिया फाउंडेशन की मैनेजिंग ट्रस्टी प्रोफेसर डॉ. रोहिणी वी. चौगुले, सीनियर ऑपरेशन्स ऑफिसर डॉ. मनोहर रेड्डी, श्री योगेश कुमार सहित गणमान्य नागरिक तथा बड़ी संख्या में आमजन व ईलाज कराने के लिए आये मरीज़ उपस्थित थे।

कार्यक्रम में महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने अपने उद्बोधन में कहा कि स्वस्थ शरीर ही सुखी परिवार और समृद्ध समाज का आधार है। उन्होंने कहा कि लाइफलाइन एक्सप्रेस उन जरूरतमंद परिवारों के लिए वरदान है, जिनके लिए बड़े शहरों में जाकर महंगी शल्य चिकित्सा कराना संभव नहीं हो पाता। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि आज यह अस्पताल स्वयं चलकर हमारे अंचल के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचा है, यह अत्यंत सुखद है। उन्होंने विशेष रूप से माताओं-बहनों से आग्रह किया कि वे संकोच छोड़कर स्तन एवं गर्भाशय ग्रीवा कैंसर की नि:शुल्क जांच अवश्य कराएं, क्योंकि समय पर जांच होने से गंभीर बीमारी को प्रारंभिक अवस्था में ही रोका जा सकता है। उन्होंने समस्त जिलेवासियों से अपील की कि स्वास्थ्य संबंधी उपचार व निदान हेतु इस शिविर का सभी लाभ अवश्य उठाएं।

मुख्य अतिथि सरगुजा सांसद श्री चिंतामणी महाराज ने अपने उद्बोधन में कहा कि यह ट्रेन केवल एक अस्पताल नहीं, बल्कि गरीबों के लिए जीवन रेखा है। उन्होंने कहा कि सरगुजा अंचल के वनांचल क्षेत्रों में आज भी अनेक ऐसे परिवार हैं, जो साधनों के अभाव में मोतियाबिंद, बहरेपन अथवा हड्डी की विकृति जैसी समस्याओं के साथ वर्षों से जीवन बिता रहे हैं। ऐसे लोगों के द्वार तक विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम का पहुंचना अपने आप में बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने जनप्रतिनिधियों, पंचायत प्रतिनिधियों एवं स्वयंसेवी संस्थाओं से आह्वान किया कि वे अपने-अपने क्षेत्र के पात्र मरीजों को चिन्हित कर शिविर तक लाने में सहयोग करें, ताकि इस 21 दिवसीय शिविर का अधिकतम लाभ अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक पहुंच सके।

इम्पैक्ट इंडिया फाउंडेशन की मैनेजिंग ट्रस्टी प्रोफेसर डॉ. रोहिणी वी. चौगुले ने अपने उद्बोधन में कहा कि लाइफलाइन एक्सप्रेस की यात्रा वर्ष 1991 में इसी संकल्प के साथ प्रारंभ हुई थी कि देश के दूरस्थ अंचलों में निवारणीय विकलांगता को समय रहते रोका जाए।

उन्होंने कहा कि विश्व की यह पहली हॉस्पिटल ट्रेन अब तक देश के अनेक जिलों में पहुंचकर लाखों लोगों को नि:शुल्क उपचार उपलब्ध करा चुकी है और सूरजपुर में यह 256वां प्रोजेक्ट है। डॉ. चौगुले ने कहा कि ट्रेन में अत्याधुनिक मल्टी-स्पेशियलिटी ऑपरेशन थिएटर तथा अनुभवी विशेषज्ञ चिकित्सकों एवं प्रशिक्षित स्वास्थ्यकर्मियों की टीम उपलब्ध है, जिनके द्वारा गुणवत्तापूर्ण शल्य चिकित्सा सुनिश्चित की जाती है। उन्होंने सूरजपुर जिला प्रशासन एवं भारतीय रेलवे द्वारा दिए गए सहयोग के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि स्थानीय प्रशासन की सक्रिय भागीदारी ही ऐसे शिविरों की सफलता का आधार होती है। कलेक्टर श्रीमती रेना जमील ने अपने उद्बोधन में कहा कि जिला प्रशासन का प्रयास है कि शिविर का लाभ जिले के अंतिम छोर तक निवासरत प्रत्येक जरूरतमंद व्यक्ति को मिले। कलेक्टर श्रीमती जमील ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग का दल निरंतर समन्वय बनाए हुए है। उन्होंने आमजन से अपील की कि वे अपने साथ आधार कार्ड अथवा अन्य पहचान पत्र अवश्य लेकर आएं और निर्धारित तिथियों के अनुसार संबंधित रोग की जांच हेतु उपस्थित हों।

शुभारंभ के साथ ही रजिस्ट्रेशन काउंटर पर मरीजों की कतार लग गई। शुगर और ब्लड प्रेशर की जांच से लेकर मोतियाबिंद तथा वर्षों से चली आ रही अन्य व्याधियों के उपचार की आस लिए जिले के दूर-दराज अंचलों से बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। प्रथम दिवस प्राप्त अंतिम जानकारी के अनुसार कुल 866 मरीजों ने विभिन्न बीमारियों के उपचार हेतु पंजीयन कराया। ऐसे अनेक मरीज भी शिविर तक पहुंचे, जो लंबे समय से निजी चिकित्सा का व्यय वहन न कर पाने के कारण इलाज से वंचित थे। नि:शुल्क सेवा मिलने पर लोगों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसे अपने लिए बड़ी राहत बताया। शिविर में सरगुजा सांसद चिंतामणि महाराज और महिला बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने भी अपना स्वास्थ्य जांच कराया।

उल्लेखनीय है कि लाइफलाइन एक्सप्रेस विश्व की पहली आधुनिक हॉस्पिटल ट्रेन है, जिसकी शुरुआत 16 जुलाई 1991 को हुई थी। यह इम्पैक्ट इंडिया फाउंडेशन, भारतीय रेलवे तथा केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की अनूठी संयुक्त पहल है। ट्रेन के डिब्बों में अत्याधुनिक मल्टी-स्पेशियलिटी ऑपरेशन थिएटर मौजूद है, जिसमें पांच ऑपरेशन टेबल की सुविधा है और एक साथ पांच सर्जरी तक की जा सकती हैं।

ऑपरेशन थिएटर में सर्जिकल माइक्रोस्कोप, वेंटिलेशन सिस्टम, एनेस्थीसिया मशीन एवं ऑटोक्लेव जैसे महत्वपूर्ण उपकरणों के साथ रिकवरी रूम की व्यवस्था भी है। ट्रेन के साथ प्रशिक्षित नर्सिंग ऑफिसर्स, टेक्नीशियन एवं स्वास्थ्यकर्मियों की अनुभवी टीम निरंतर कार्यरत रहती है।

शिविर की निर्धारित कार्यक्रम अनुसूची के अनुसार आंख की जांच एवं मोतियाबिंद की सर्जरी हेतु ओपीडी 16 से 21 अगस्त तथा ऑपरेशन 17 से 22 अगस्त तक होंगे। कान की जांच के लिए ओपीडी 22 से 27 अगस्त एवं कान की सर्जरी 23 से 28 अगस्त तक की जाएगी। मुड़े हुए हाथ एवं पैर के परीक्षण (18 वर्ष से कम आयु) तथा कटे-फटे होंठ एवं जलने के बाद हुए संकुचन की प्लास्टिक सर्जरी हेतु जांच 28 से 31 अगस्त एवं सर्जरी 29 अगस्त से 01 सितम्बर तक होगी। दांत की जांच एवं उपचार 01 से 05 सितम्बर तक तथा स्त्री रोग अंतर्गत स्तन एवं गर्भाशय ग्रीवा कैंसर की जांच व स्क्रीनिंग 16 से 21 अगस्त तक की जाएगी। भर्ती किए गए रोगियों के साथ सहयोग के रूप में केवल एक व्यक्ति को रहने की अनुमति दी जाएगी। अधिक जानकारी के लिए हेल्पलाइन नंबर 7039673973 पर संपर्क किया जा सकता है।

संक्षिप्त समाचार

बिरगांव की 150 फीट विशाल तिरंगा यात्रा बनी देशभक्ति और एकता की मिसाल

रायपुर (विश्व परिवार)। पार्षद इकराम अहमद ने बताया की स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर बिरगांव में आयोजित 150 फीट लंबी विशाल तिरंगा यात्रा में ऐतिहासिक जनसैलाब उमड़ा। गाज़ी नगर से शुरू हुई यह यात्रा बॉम्बे बेकरी, नगर निगम कार्यालय, बुधवारी बाजार, बिरगांव मेन रोड और व्यास तालाब चौक होते हुए जौहरे आजम चौक पहुंची। यात्रा के दौरान पूरा बिरगांव देशभक्ति और राष्ट्रप्रेम के रंग में रंगा नजर आया।गाज़ी नगर बिरगांव के जौहरे आजम चौक पर डॉ. जौहर मियां शफ्फियाबादी साहब ने तिरंगा फहराया। इस अवसर पर अपने उद्बोधन में उन्होंने कहा कि अंग्रेजों के खिलाफ संघर्ष करते हुए देश की आजादी के लिए हमारे हजारों वीर सपूतों ने अपने प्राणों की आहुति दी, तब जाकर हमारा देश आजाद हुआ। आज भी कुछ ताकतें देश की एकता और अखंडता को कमजोर करने का प्रयास कर रही हैं। ऐसे लोगों को पहचानने और उनसे सावधान रहने की आवश्यकता है। तिरंगा यात्रा में बड़ी संख्या में मुस्लिम समाज के लोगों के साथ-साथ बिरगांव के विभिन्न वर्गों के नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। हाथों में तिरंगा लिए हजारों लोगों का उत्साह और देशभक्ति का जज्बा देखते ही बन रहा था। अमर शहीदों के जयघोष और राष्ट्रप्रेम के नारों से पूरा बिरगांव गूंज उठा।150 फीट लंबे तिरंगे के साथ निकली इस विशाल यात्रा ने बिरगांव में एकता, भाईचारे और देशप्रेम की मजबूत मिसाल पेश की। यात्रा के दौरान शहर की सड़कों पर तिरंगे की विशाल छटा दिखाई दी। बड़ी संख्या में नागरिकों की सहभागिता ने इस आयोजन को बिरगांव के इतिहास का एक यादगार और गौरवपूर्ण अध्याय बना दिया। इस अवसर पर पार्षद इकराम अहमद ने कहा कि यह यात्रा किसी एक व्यक्ति या संस्था का आयोजन नहीं, बल्कि पूरे बिरगांव की जनता के सामूहिक देशप्रेम, एकता और भाईचारे का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि जिस उत्साह और उमंग के साथ नागरिकों ने इस यात्रा में हिस्सा लिया, वह बिरगांव की सामाजिक एकता और देश के प्रति सम्मान की भावना को दर्शाता है। इकराम अहमद ने कहा, बिरगांव की 150 फीट की विशाल तिरंगा यात्रा में उमड़े ऐतिहासिक जनसैलाब और आप सभी साथियों के अपार सहयोग के लिए हम हृदय से आभारी हैं। आपका प्रेम, उत्साह और देशभक्ति हमेशा याद रहेगी। यह यात्रा आने वाली पीढ़ियों को भी एकता, भाईचारे और राष्ट्रप्रेम का संदेश देती रहेगी। उन्होंने यात्रा को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी नागरिकों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, युवाओं, माताओं-बहनों, जनप्रतिनिधियों, प्रशासन, पुलिस, नगर निगम के अधिकारियों-कर्मचारियों तथा आयोजन से जुड़े सभी साथियों का हृदय से आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि तिरंगा केवल हमारा राष्ट्रीय ध्वज नहीं, बल्कि देश की एकता, अखंडता, सम्मान और गौरव का प्रतीक है। बिरगांव की जनता ने जिस उत्साह और सम्मान के साथ तिरंगे को अपने हाथों में लेकर यात्रा में सहभागिता की, वह पूरे शहर के लिए गर्व की बात है।

भारत की युवा पीढ़ी लिखेगी देश की अगली विकास गाथाः अनिल अग्रवाल

नई दिल्ली: स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर वेदांता के चेयरमैन अनिल अग्रवाल ने भारत के भविष्य को लेकर आशावाद व्यक्त करते हुए कहा कि देश को आत्मनिर्भर और समृद्ध बनाने के साथ-साथ हर युवा को आगे बढ़ने के समान अवसर उपलब्ध कराना जरूरी है। अग्रवाल ने कहा कि आज के दौर में स्वतंत्रता का वास्तविक अर्थ ऐसा वातावरण तैयार करना है, जहां देश की युवा आबादी अपनी क्षमता को पहचान सके, अपने सपनों को पूरा कर सके और भारत की निरंतर प्रगति में योगदान दे सके। उन्होंने देश को और मजबूत बनाने तथा उस भारत के निर्माण के लिए सामूहिक प्रयासों का आह्वान किया, जिसका सपना हर भारतीय देखता है। अग्रवाल लगातार एक मजबूत और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण की वकालत करते रहे हैं। वे घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देने और देश के प्राकृतिक संसाधनों के बेहतर उपयोग को भारत की आर्थिक प्रगति के लिए महत्वपूर्ण मानते हैं। अग्रवाल ने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर सभी देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

समी में महिला की हत्या का खुलासा, परिचित आरोपी गिरफ्तार

बलरामपुर। कुसमी थाना क्षेत्र की सिंचाई कॉलोनी में महिला सरस्वती बरगाह की हत्या के मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। पुलिस ने मामले में रतन नगेशिया पिता गेदा उर्फ गोपाल, निवासी गम्हारडीह, थाना शंकरगढ़, जिला बलरामपुर-रामानुजगंज को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त कुदारी और वारदात के दौरान पहने गए कपड़े भी बरामद किए गए हैं। आरोपी को न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है।

पुलिस के अनुसार, 4 जुलाई 2026 को मृतिका की बेटी संतोषी बरगाह अपनी मां सरस्वती से मिलने सिंचाई कॉलोनी स्थित घर पहुंची थी। घर के दरवाजे पर बाहर से सिकड़ी लगी हुई थी। दरवाजा खोलकर अंदर जाने पर सरस्वती बरगाह खून से लथपथ हालत में पड़ी मिलीं। उनके सिर पर गंभीर चोट के निशान थे और उनकी मृत्यु हो चुकी थी।प्रार्थिया की रिपोर्ट पर कुसमी थाने में मर्ग कायम कर जांच शुरू की गई। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और मर्ग जांच में सिर पर गंभीर चोट पहुंचाकर हत्या किए जाने की पुष्टि होने के बाद थाना कुसमी में अपराध क्रमांक 65/2026 के तहत धारा 103(1) बीएनएस में मामला दर्ज कर अज्ञात आरोपी की तलाश शुरू की गई। जांच के दौरान पुलिस ने मृतिका के परिचितों, गवाहों और पड़ोसियों से पूछताछ की। इसी दौरान रतन नगेशिया के घटना के बाद से गायब होने पर पुलिस को उस पर संदेह हुआ।

शुभम के मार्ट में स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

रायपुर (विश्व परिवार)। प्रतिवर्ष के अनुसार इस वर्ष भी 80 वें स्वतंत्रता दिवस धूमधाम से मनाया गया इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में शुभम कनकारिया, के द्वारा महात्मा गांधी और भारत माता के प्रतिमाएं पर माल्या अर्पण कर ध्वजारोहण किया गया तत्पश्चात शुभम कांकरिया ने सभी कर्मचारियों को बधाई देते हुए अपने उद्बोधन में कहा है कि जिस प्रकार से हमारे वीर जवान हमारे रक्षा के लिए तत्पर रहते हैं इस प्रकार हमारे गार्ड और पी ,के सर्विसेज के हाउसकीपिंग ,लोडर सभी मिलकर हम सबके साथ मिलजुल कर काम करते हैं यह एक परिवार की तरह रहते हैं ऐसे ही रहना चाहिए सभी कर्मचारियों को बधाई देते हुए आगे मुख्य अतिथि के द्वारा गार्ड और हाउसकीपिंग को विशेष पुरस्कार प्रोत्साहन के तौर पर दिया गया शुभम के मार्ट के कर्मचारियों के द्वारा रंगारंग कार्यक्रम की प्रस्तुति दिया गया जिसमें हिंदी, छत्तीसगढ़ी और नशा पर आधारित नाटक की प्रस्तुति दिया कर्मचारियों के द्वारा दिया गया रंगारंग कार्यक्रम की प्रस्तुति देने वाले को भी पुरस्कार और प्रमाण पत्र दिया गया कार्यक्रम के एंकर के रूप में एच आर शालिनी मिश्रा और विशेष अतिथि के रूप में दुर्गा राव डोंगरे,पंकज जैन ,धनंजय घरोटे, विवेक शुक्ला, सुमित ,सौरभ शर्मा, रितेश श्रीवास्तव ,भानु राम साहू उपस्थित थे और जितने भी कर्मचारी और आसपास के गांव के गणमान्य नागरिक उपस्थित थे

जिला न्यू टैलेंट प्रोत्साहन फुटबॉल कप प्रतियोगिता पर पी एम श्री जयनगर ने किया कब्जा

जैन स्पोर्ट्स बिश्रामपुर कार्यक्रम के थे आयोजक

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)-ऐतिहासिक एकता स्टेडियम विश्रामपुर में न्यू टैलेंट प्रोत्साहन कप फुटबॉल टूर्नामेंट का फाइनल मैच आज डी ए वी पब्लिक स्कूल बिश्रामपुर और पीएम श्री जयनगर के बीच खेला गया। दोनों टीमें फुल टाइम पर 0-0पर। ट्राई ब्रेकर में पीएमश्री जयनगर 4-1 से विजयी रही। मैच के मैन ऑफ द मैच पीएम श्री जयनगर के अंकित रहे। प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट दीपक पीएम श्री जयनगर रहे। बेस्ट डिफेंडर अथर्व यादव डी ए वी पब्लिक स्कूल बिश्रामपुर, बेस्ट गोलकीपर अतुल बिश्रामपुर ,बेस्ट स्कोरर अंकित पीएम श्री जयनगर, और बेस्ट डिसिप्लिन टीम का अवार्ड हायर सेकेंडरी स्कूल बतरा को दिया गया।मैच के मुख्य अतिथि एस ई सी एल बिश्रामपुर क्षेत्र के मुख्य महाप्रबंधक डॉ संजय सिंह तथा मैच की अध्यक्षता संत सिंह जिला उपाध्यक्ष भाजपा सूरजपुर एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में नगर पंचायत शिवनंदनपुर के अध्यक्ष रितेश जायसवाल, जिला सूरजपुर फुटबॉल संघ के सचिव राम बहादुर लामा, पूर्व सीएमओ डॉ विवेकानंद सिंह,वरिष्ठ पत्रकार गोपाल सिंह विद्रोही , पत्रकार विनय पांडे, पूर्व सीनियर क्रिकेट खिलाड़ी धन वीर खेड़ा, पूर्व खिलाड़ी एवं कांग्रेस नेता नरसिंह नारायण सिंह , युवा पत्रकार मिथिलेश जयसवाल ,उग्रसेन प्रसाद केसरी वॉलीबॉल के प्रतिष्ठित एवं सीनियर खिलाड़ी पंकज गर्ग ,डॉ बी एन सिंह ,चरणजीत सिंह, चंद्र यादव, सुनील सिंह सीएमओ शिवनंदनपुर संजय भाई लाल , राजेंद्र पासवान ,मयंक गोयल, ऋषि जैन, नवनीत सिंह एल्डरमैन आनंद सिंह, तपन, रोमी, मोंटी, आशीष सिंह, विशेष रूप से उपस्थित रहे। टूर्नामेंट के आयोजक राजेश जैन और उनकी सुपुत्री भूमि जैन ने गुलदस्ता भेंटकर ओजपूर्ण स्वागत किया। फुटबॉल में संतोष ट्रॉफी खेलने वाले संतोष भाई लाल और वॉलीबॉल में पब्लिक सेक्टर में कांस्य पदक व कोल ऑल इंडिया टीम के कप्तान बनने वाले पंकज गर्ग जी को लाइफटाइम खेल रत्न से नवाजा गया। 10000 से अधिक दर्शक इस मैच स्टेडियम में बैठकर लुफ्त उठाएं। काकोमेंट्री की भूमिका में प्रकाश कुर्रे और छोटू प्रसाद सिंह मैच की ताजा खबर लोगों तक प्रसारित करते रहे। निर्णायक की भूमिका मेअनसेलम कुजूर, सज्जू ,प्रियांशु एक्का, निशांत एक्का, पियूष, शांतनु, अभय कुमार, रोहित रावत, अंकुश कुमार मुख्य रूप से सकिय रहे। आज ही कार्मेल कान्वेंट इंग्लिश मीडियम बिश्रामपुर और हायर सेकेंडरी स्कूल बतरा के बीच तीसरी स्थान के लिए मैच खेला गया पूरे समय तक दोनों टीम एक-एक के बराबर रही।ट्राई बेकर में कार्मेल कान्वेंट बिश्रामपुर 5 -3 से विजयी रही। आयोजन समिति प्रमुख राजेश जैन जो जिला सूरजपुर डयूज बाल क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव भी हैं,के द्वारा इस सफल आयोजन को देखते हुए सभी मंचासीन अतिथि दर्शक सभी ने बच्चों के शानदार आयोजन पर बधाई देते हुएऔर नशे से दूरी रहकर अपनी प्रतिभाओं को आगे बढ़ा रहे हैं। सफल संचालन प्रकाश कुर्रे ने किया।

दैनिक
विश्व परिवार

विचार-पक्ष

रायपुर, सोमवार 17 अगस्त 2026

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

संपादकीय महंगाई, मानसून और टैरिफ की चुनौतियां...

शान से विदाई...

भारत के पदकों में सबसे ज्यादा योगदान एथलेटिक्स एवं पैरा-एथलेटिक्स का रहा, जिसमें 16 मेडल हासिल हुए। मगर, भारत की शान बढ़ाने का सबसे ज्यादा श्रेय बॉक्सरों को है, जिन्होंने सात स्वर्ण सहित 10 पदक जीते। कॉमनवेल्थ गेम्स से भारतीय दल ने शान से विदाई ली है। स्कॉटलैंड के ग्लासगो में 11 दिन के इस आयोजन के आरंभिक दिनों में पदक तालिका में पिछड़े रहने के कारण भारत में मायूसी छायी रही, लेकिन अंतिम दो दिनों में भारतीय खिलाड़ियों ने कहानी पलट दी। आखिरकार 13 स्वर्ण, 17 रजत, और 9 कांस्य पदकों सहित कुल 39 मेडल्स के साथ भारत चौथे नंबर आ पहुंचा। अधिक खुशी की बात यह है कि भारत के पदकों में सबसे ज्यादा योगदान एथलेटिक्स एवं पैरा-एथलेटिक्स का रहा, जिसमें तीन स्वर्ण सहित 16 मेडल हासिल हुए। मगर, भारत की शान बढ़ाने का सबसे ज्यादा श्रेय बॉक्सरों को है, जिन्होंने सात स्वर्ण सहित 10 पदक जीते। इस सिलसिले में इस उल्लेख से नहीं बचा जा सकता कि सात स्वर्ण पदक विजेता बॉक्सरों में से पांच सिर्फ एक शहर यानी हरियाणा के भिवानी से आते हैं। उनमें भी चार महिला बॉक्सर हैं। इस सफलता को बेशक वहां बने खेल ढांचे और भिवाणी बॉक्सिंग क्लब के प्रमुख जगदीश सिंह की मेहनत का परिणाम माना जाएगा। इस बार कॉमनवेल्थ गेम्स में निशानेबाजी, कुश्ती, टेबल टेनिस और बैडमिंटन जैसे कई ऐसे खेल शामिल नहीं हुए, जिनमें भारत की मजबूत उपस्थिति रहती है। दरअसल, यह आयोजन ऑस्ट्रेलिया के विक्टोरिया राज्य में होना था, जिसने ऐन वक्त पर कदम वापस खींच लिए। तब ग्लासगो में एक तरह से इसके आयोजन की रस्म-अदायगी की गई। इसलिए इस बार के गेम्स को ज्यादा वजन भी नहीं दिया गया है। वैसे भी कॉमनवेल्थ गेम्स ओलिंपिक्स कैलेंडर का हिस्सा नहीं हैं, जिससे उन्हें ओलिंपिक्स या एशियाड जैसा महत्त्व नहीं दिया जाता। ब्रिटेन का रुतबा घटने के साथ-साथ कॉमनवेल्थ भी हाशिये पर पहुंच गया है। ऐसे में देश और खिलाड़ी इन खेलों को एक तरह से बड़े परिदृश्य के पूर्वाभ्यास के रूप में लेते हैं। इसे ध्यान में रखें, तो अगले 19 सितंबर से जापान के नागोया में होने जा रहे एशियन गेम्स के मद्देनजर ग्लासगो में भारतीय दल के प्रदर्शन को आशाजनक माना जाएगा। एशियाड में अधिक कड़ी प्रतिस्पर्धा में भी क्या देश की आशाओं पर भारतीय खिलाड़ी खरे उतरेंगे, इसे देखने पर सबकी नजरें रहेंगी।

महंगाई, मानसून और टैरिफ की चुनौतियां...

डा. जयंती लाल भंडारी

केंद्रीय बैंक को अब महंगाई को नियंत्रण में रखने के साथ-साथ विकास की गति को थमने से बचाना होगा। वैश्विक संकट के समय निजी निवेश में सुस्ती आना स्वाभाविक है। ऐसे में आर्थिक गतिविधियों को सहारा देने के लिए सरकार को अपने पूंजीगत व्यय को लक्ष्य के अनुरूप तेजी से कारगर बनाना होगा। बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को प्राथमिकता मिले हाल ही में 5 अगस्त को भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने मौद्रिक नीति समिति की बैठक के बाद देश में महंगाई, आर्थिक स्थिति और सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि से जुड़ी तस्वीर पेश करते हुए कहा कि वैश्विक आर्थिक उथल-पुथल और कमजोर मानसून की चुनौतियों के बीच भी भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूती के साथ दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बनी हुई है। रिजर्व बैंक ने चालू वित्त वर्ष के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक पर आधारित महंगाई का अनुमान 5.0 प्रतिशत कर दिया है। जहां खाद्य वस्तुओं के क्षेत्र में महंगाई में कुछ वृद्धि के संकेत हैं, वहीं अन्य क्षेत्रों में महंगाई बढ़ने के संकेत नहीं हैं। सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि का अनुमान 6.7 प्रतिशत कर दिया गया है। खास तौर से रेपो रेट (वह ब्याज दर जिस पर बैंक रिजर्व बैंक से कर्ज लेते हैं) को लगातार चौथी बार 5.25 प्रतिशत के स्तर पर यथावत रखा गया है। इससे होम, ऑटो और अन्य फ्लोटिंग रेट वाले लोन की ईएमआई (इक्वेटेड मंथली इंस्टॉलमेंट) नहीं बढ़ेगी। रिजर्व बैंक ने यह भी कहा है कि आने वाले दिनों में मानसून, अल नीनो और पश्चिम एशिया के संघर्ष की वजह से खाने-पीने की वस्तुएं और ईंधन महंगे हो सकते हैं। नि:संदेह इस समय पश्चिम एशिया संकट और अमरीकी प्रशासन की आर्थिक नीतियों का भारतीय अर्थव्यवस्था पर चौतरफा दबाव देखने को मिल रहा है। हालिया रिपोर्टों के अनुसार, भारत को कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों, माल ढुलाई संकट और व्यापारिक बाधाओं जैसी गंभीर चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। हाल ही में प्रस्तुत ब्लूमबर्ग रिपोर्ट के मुताबिक पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और व्यापारिक अनिश्चितता के चलते जुलाई 2026 में भारत की आर्थिक गतिविधियां पिछले चार वर्षों के सबसे निचले स्तर पर आ गई हैं। भारतीय रिजर्व बैंक की राज्य अर्थव्यवस्था रिपोर्ट के अनुसार, यद्यपि भारत की आंतरिक आर्थिक बुनियाद मजबूत है, लेकिन युद्ध के कारण उत्पन्न वैश्विक जोखिम और कच्चे तेल की मुद्रास्फीति अर्थव्यवस्था की रफ्तार को प्रभावित कर सकती हैं। इसी तरह अंतरराष्ट्रीय खाद्य नीति अनुसंधान संस्थान की रिपोर्ट के अनुसार ईरान युद्ध के चलते आपूर्ति श्रृंखला बाधित हुई है, जिससे उर्वरक और कृषि से जुड़ी वस्तुओं के आयात में लागत बढ़ी है। इससे ग्रामीण आय और कृषि विकास दर पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा है। साथ ही ऊर्जा गलियारों में जारी गतिरोध के कारण माल ढुलाई (फ्रेट) और बीमा लागत में भारी वृद्धि हुई है, जिससे भारत का व्यापार घाटा बढ़ रहा है और रुपए पर दबाव बना हुआ है। उल्लेखनीय है कि इस समय अमरीका से भी भारत के लिए तीन परिदृश्य नई चुनौतियों के रूप में दिखाई दे रहे हैं। एक, 25 जुलाई को अमरीकी सीनेट में एच-1बी वीजा पर 3 साल तक रोक लगाने संबंधी एक नया और बेहद सख्त विधेयक पेश किया गया है। दो, 24 जुलाई से धारा 301 के तहत अमरीका में भारतीय आयातों पर 10 प्रतिशत टैरिफ लागू किया गया है तीन, 1 अगस्त 2026 से अमरीका के द्वारा आयात की जाने वाली भारत की जेनेरिक दवाओं पर चरणबद्ध तरीके से 200 प्रतिशत तक टैरिफ का ऐलान किया गया है। यह चिंताजनक है कि अमरीकी सीनेट में 25 जुलाई को पेश किए गए एक नए विधेयक के तहत एच-1बी वीजा जारी करने पर तीन साल की रोक लगाने का प्रस्ताव रखा गया है। इस कदम से अमरीका जाने का सपना देख रहे भारतीय आईटी और तकनीकी क्षेत्र के पेशेवरों पर सीधा और बड़ा असर पड़ सकता है। वीजा के लिए नए प्रस्तावों में 100000 डॉलर (लगभग 85.95 लाख रुपए) तक का भारी-भरकम शुल्क और कठोर न्यूनतम वेतन मानदंड शामिल हैं। वीजा के लिए पारंपरिक रैंडम लॉटरी खत्म करके केवल उच्च वेतन और वरिष्ठ स्तर के कर्मचारियों को प्राथमिकता देने की तैयारी है। वीजा धारकों के आश्रितों और परिजनों पर भी कई तरह की पाबंदियां लगाने की चर्चा है। हालांकि, 1 लाख डॉलर की भारी फीस वाले प्रशासनिक आदेश पर अदालती रोक फिलहाल बरकरार है, फिर भी संसद में पेश इस नए विधेयक ने अनिश्चितता का माहौल बना दिया है। यदि यह कानून लागू होता है, तो भारतीय पेशेवरों और सूचना प्रौद्योगिकी कंपनियों के लिए चुनौतियां काफी बढ़ सकती हैं। गौरतलब है कि अमरीका द्वारा 24 जुलाई से भारत समेत 17 देशों से आने वाले सामानों पर 10 प्रतिशत का टैरिफ लगाया गया है। अमरीका ने व्यापार अधिनियम 1974 की धारा 301 के तहत यह सख्त कदम उठाया है। इस कार्रवाई का मुख्य कारण उन देशों को बताया गया है, जिनके उत्पादों के निर्माण में जबरन मजदूरी के इस्तेमाल की शिकायतें मिली थीं। शुरुआत में भारत पर 12.5 प्रतिशत शुल्क लगाने का प्रस्ताव था, जिसे घटाकर 10 प्रतिशत किया गया है। भारत द्वारा अपनी विदेश व्यापार नीति में सुधार कर जबरन मजदूरी से बने सामानों पर प्रतिबंध लगाने के कारण यह राहत मिली है। इसी परिप्रेक्ष्य में यह भी इन विभिन्न कारणों से एक बार फिर वैश्विक अर्थव्यवस्था के साथ भारतीय अर्थव्यवस्था पर भी प्रतिकूल असर बढ़ने लगा है। एशियाई विकास बैंक (एडीबी) के द्वारा जारी हालिया रिपोर्ट में कहा गया है कि पश्चिम एशियाई संकट और लॉजिस्टिक कीमतों में बढ़ोतरी का भारत की विकास दर पर प्रतिकूल असर होगा। ऐसे में एडीबी ने भारत के लिए इस वित्त वर्ष 2026-27 के लिए पूर्व में निर्धारित की गई 6.9 प्रतिशत विकास दर को घटाकर 6.6 प्रतिशत कर दिया है। इसी तरह अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने अपनी रिपोर्ट में वर्ष 2026-27 के लिए भारत की विकास दर का अनुमान घटाकर 6.4 प्रतिशत कर दिया है। आईएमएफ का मानना है कि ऊर्जा की ऊंची कीमतें भारत में आर्थिक चुनौतियां बढ़ा सकती हैं। हालांकि इस समय भारत आपूर्ति चुनौतियों से निपटने के लिए पहले से बेहतर स्थिति में है, फिर भी चालू वित्त वर्ष में देश की आर्थिक विकास दर को 7 प्रतिशत तक ले जाने के लिए रणनीतिपूर्वक नए आर्थिक उपायों के साथ आगे बढ़ना होगा। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में भारत ने 7.7 प्रतिशत की शानदार दर से वृद्धि दर्ज की थी, जो कि 2024-25 की 7.1 प्रतिशत की दर से काफी बेहतर थी। नि:संदेह इस समय वैश्विक आर्थिक चुनौतियों और घरेलू आर्थिक मुश्किलों के बीच बीच अर्थव्यवस्था को गतिशील रखना और विकास दर बढ़ाना चुनौती है। इस चक्रव्यूह से निकलने के लिए सरकार को 'सुधार, प्रदर्शन और परिवर्तन' के मंत्र को और अधिक आक्रामक ढंग से उपयोग में लाना होगा। वैश्विक झटके और तेल की बढ़ती कीमतों के बीच भारत को अपनी समष्टि-आर्थिक स्थिरता बनाए रखने के लिए अपनी रणनीतियों में बदलाव करना होगा। केंद्रीय बैंक को अब महंगाई को नियंत्रण में रखने के साथ-साथ विकास की गति को थमने से बचाना होगा। वैश्विक संकट के समय निजी निवेश में सुस्ती आना स्वाभाविक है। ऐसे में आर्थिक गतिविधियों को सहारा देने के लिए सरकार को अपने पूंजीगत व्यय को लक्ष्य के अनुरूप तेजी से कारगर बनाना होगा। बुनियादी ढांचा परियोजनाओं- जैसे रेलवे, राष्ट्रीय राजमार्ग, नए बंदरगाहों और लॉजिस्टिक्स नेटवर्क में निवेश को प्राथमिकता देनी होगी। बुनियादी ढांचे में सरकारी निवेश बढ़ने से इस्पात, सीमेंट और निर्माण जैसे मुख्य क्षेत्रों में मांग बनी रहती है, जिससे ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर नए रोजगार पैदा होते हैं और अर्थव्यवस्था का चक्र घूमता रहता है।

आलेख

विजन 2047 की ओर बढ़ता छत्तीसगढ़: उद्योगों से आत्मनिर्भर और समृद्ध भविष्य की नई पहल

छत्तीसगढ़ आज औद्योगिक विकास के ऐसे दौर से गुजर रहा है, जहां विकास का उद्देश्य केवल नए उद्योग स्थापित करना नहीं, बल्कि रोजगार, निवेश, आधुनिक तकनीक और क्षेत्रीय संतुलन के माध्यम से प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाना है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार ने उद्योगों के लिए पारदर्शी, निवेश-अनुकूल और रोजगारोन्मुख वातावरण तैयार किया है। वहीं वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री लखन लाल देवांगन के मार्गदर्शन में नई औद्योगिक नीतियों ने निवेशकों का विश्वास मजबूत किया है और छत्तीसगढ़ को देश के प्रमुख औद्योगिक राज्यों की कतार में खड़ा करने की दिशा में ठोस कदम बढ़ाए हैं। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री लखन लाल देवांगन तथा आवास एवं पर्यावरण मंत्री ओ.पी. चौधरी ने 25 जून 2026 में टेक्सटाइल पार्क की पहली यूनिट का भूमिपूजन किया। तमिलनाडु की स्विफ्ट टेक्सटाइल्स प्राइवेट लिमिटेड 235 करोड़ रुपए के निवेश से यहां गारमेंट मैन्युफैक्चरिंग यूनिट लगा रही है। इस यूनिट से 4650 लोगों को रोजगार मिलेगा। टेक्सटाइल और गारमेंट मैन्युफैक्चरिंग के क्षेत्र में छत्तीसगढ़ को देश-विदेश में नई पहचान दिलाने यह अहम कदम है। बीते ढाई वर्षों में राज्य को 264 औद्योगिक परियोजनाओं से लगभग 8.22 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए, जिनसे 1.72 लाख से अधिक रोजगार सृजन की संभावना है। इनमें से 154 परियोजनाएं निर्माण, भूमि आवंटन अथवा उत्पादन के चरण तक पहुंच चुकी हैं, जबकि कई इकाइयां पहले ही उत्पादन प्रारंभ कर चुकी हैं। इसी अवधि में प्रदेश में 3,009 नई औद्योगिक इकाइयां स्थापित हुईं, जिनसे 50,807 लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार मिला। यह दर्शाता है कि सरकार की औद्योगिक नीतियां केवल कागज़ों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि धरातल पर परिणाम दे रही हैं। राज्य सरकार द्वारा लागू औद्योगिक विकास नीति 2024-30 ने उद्योगों के लिए नई संभावनाओं के द्वार खोले हैं। विनिर्माण इकाइयों को 100 प्रतिशत तथा सेवा क्षेत्र को 150 प्रतिशत तक वित्तीय प्रोत्साहन, एमएसएमई और सेवा उद्योगों को पहली बार विशेष लाभ, टेक्सटाइल, लॉजिस्टिक्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और फार्मा जैसे भविष्य के क्षेत्रों के लिए विशेष पैकेज तथा स्थानीय युवाओं के रोजगार को बढ़ावा देने वाले प्रावधान इस नीति की प्रमुख विशेषताएं हैं। यही कारण है कि नवा रायपुर में देश का पहला एआई डेटा सेंटर एसईजेड और सेमीकंडक्टर क्षेत्र में निवेश जैसी बड़ी पहलें आकार ले रही हैं। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की सरकार ने ईज़ ऑफ डूइंग बिज़नेस को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। 150 से अधिक सेवाओं वाला नया सिंगल विंडो सिस्टम, निवेशकों के लिए एआई आधारित वाणी प्रणाली, 500 से अधिक प्रशासनिक सुधार तथा प्रक्रियाओं का सरलीकरण निवेशकों के लिए बेहतर माहौल तैयार कर रहा है। औद्योगिक विकास का लाभ प्रदेश के प्रत्येक क्षेत्र तक पहुंचे, इसके लिए राज्य में 23 नए औद्योगिक क्षेत्र विकसित किए गए तथा 15 जिलों में 26 नए औद्योगिक कार्य स्वीकृत किए गए हैं। सरोरा में प्लास्टिक पार्क और नवा रायपुर में टेक्सटाइल, फार्मा एवं रेडीमेड गारमेंट पार्क जैसे प्रयास औद्योगिक आधार को और मजबूत बना रहे हैं। हाल ही में विजन 2047 औद्योगिक विकास की संभावनाएं विषयक चर्चा में उद्योगमंत्री लखन लाल देवांगन ने स्पष्ट किया कि सरकार का लक्ष्य अधिक से अधिक रोजगार सृजित करना और निवेश को तेजी से धरातल पर उतारना है, ताकि स्थानीय युवाओं को अधिकतम अवसर मिल सकें। आने वाले वर्षों के लिए सरकार निर्यात नीति, स्टार्टअप एवं नवाचार नीति, कौशल विकास, इंटर्नशिप, एमएसएमई सशक्तिकरण और बस्तर-सरगुजा जैसे क्षेत्रों में औद्योगिक विस्तार पर विशेष ध्यान दे रही है। राज्य सरकार का उद्देश्य स्पष्ट है, प्रदेश के युवाओं को रोजगार मांगने वाला नहीं, बल्कि रोजगार देने वाला उद्यमी बनाना है। राज्य में नई औद्योगिक नीति लागू होने के बाद पिछले 18 महीनों में 8 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा के निवेश का वादा मिला है, जिससे अलग-अलग सेक्टर में 1.6 लाख से ज़्यादा रोज़गार के अवसर पैदा होने की संभावना है। टेक्सटाइल और कपड़ों के अलावा, राज्य ने डेटा सेंटर, आईटी, फार्मास्यूटिकल्स, सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रिकल व इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग में भी बड़े निवेश आकर्षित किए हैं। यह छत्तीसगढ़ के इंडस्ट्रियल इकोसिस्टम और बिज़नेस-फ्रेंडली माहौल में निवेशकों के बढ़ते भरोसे को दिखाता है।

किताबों को फिर से बैठक कक्ष में जगह देना

सुअर्चना शर्मा अवस्थी और युवराज मलिक

भारत में शिक्षा पर चर्चा लंबे समय से पहुँच पर केंद्रित रही है - यानि स्कूलों तक, किताबों तक, डिजिटल संसाधनों तक पहुँच। ये चीजें बहुत जरूरी हैं, लेकिन जब हम भारतीय शिक्षा के एक नए चरण की दहलीज पर खड़े हैं, तो हमारे सामने एक और इतना ही जरूरी सवाल है: यह ऐसा सवाल है - जो सुनने में तो आसान लगता है, लेकिन इसके निहितार्थ गहरे हैं - जिसने राष्ट्रीय ई-पुस्तकालय (आरईपी) या राष्ट्रीय डिजिटल पुस्तकालय की शुरुआत की। इस प्लेटफ़ॉर्म की परिकल्पना केवल एक डिजिटल संग्रहालय के रूप में नहीं, बल्कि घर, स्कूल और समुदाय के स्तर पर भारत की पढ़ने की संस्कृति को समृद्ध करने के जीवंत प्रयास के रूप में की गयी थी। आज, आरईपी में 23 भाषाओं में 7,000 से ज्यादा चयनित किताबें मौजूद हैं, जो सैकड़ों प्रकाशकों के साथ साझेदारी में विकसित की गई हैं और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के विज़न के अनुरूप हैं। लेकिन इसका उद्देश्य कभी भी एक ऐसा संग्रह बनाना नहीं था, जो लगातार बढ़ता ही जाए। इसके पीछे एक सोच-समझकर अपनाया गया तरीका है: एक ऐसा संग्रह बनाए रखना, जो चयनित, प्रासंगिक और जीवंत हो - जिसे लगातार अद्यतन किया जाता है, जिसमें महत्वपूर्ण किताबें जोड़ी जाती हैं और अप्रासंगिक किताबों को हटाया जाता है। पैमाना मायने रखता है, लेकिन प्रासंगिकता, गुणवत्ता और लगातार जुड़ाव अधिक महत्वपूर्ण हैं। भारत के कई बच्चों के लिए - खासकर ग्रामीण, अर्ध-शहरी और पिछड़े क्षेत्रों में - पाठ्यपुस्तकों के अलावा अन्य किताबों तक पहुंच एक बड़ी चुनौती है। सबसे नज़दीकी किताब की दुकान कई किलोमीटर दूर हो सकती है। स्कूल के पुस्तकालय में या तो किताबें पुरानी होती हैं या स्कूल अवधि के बाद उपलब्ध नहीं होती हैं। इन बच्चों के पास कल्पना तो है, लेकिन पठन-सामग्री मौजूद नहीं है। राष्ट्रीय ई-पुस्तकालय इस कमी को पूरा करता है: एक बच्चा, चाहे वह कहीं भी रहता हो या उसके परिवार का आय स्तर कुछ भी हो, अब अपने घर में पहले से मौजूद उपकरण के जरिए हजारों किताबों के पुस्तकालय तक पहुँच सकता है। बच्चे कभी भी और कहीं भी इन किताबों को पढ़ सकते हैं। यह हिंदी और अंग्रेज़ी के अलावा अन्य भाषाओं में किताबों पढ़ने का भी अवसर देता है। यह छोटे बच्चों को ज्यादा समय तक स्क्रीन के सामने बिठाने का प्रयास नहीं है। यह परिवारों के लिए एक आमंत्रण है कि वे अपने पास मौजूद उपकरणों का अधिक सार्थक उपयोग करें - उस समय को साझा और समृद्ध अनुभव में बदलें, जो अन्यथा निष्क्रिय होकर, अकेले बैठकर या हानिकारक स्क्रॉलिंग या चीजें देखने में बीत जाता है।माता-पिता का छोटे बच्चे को ज़ोर से पढ़कर सुनाना। बड़े भाई/बहन का कहानी सुनाना। परिवार का साथ बैठकर पढ़ने के लिए समय निकालना। ऐसे समय में जब स्क्रीन अक्सर लोगों को एक-दूसरे से दूर करके अपने में ही उलझाए रखती है, किताबें - जिन्हें इन्हीं उपकरणों के ज़रिए पढ़ा जा सकता है - लोगों को फिर से एक साथ लाने की ताकत रखती हैं। राष्ट्रीय ई-पुस्तकालय का उद्देश्य प्लेटफॉर्म के आयामों से कहीं अधिक गहरा है: इसका मकसद पढ़ने की आदत को फिर से घर के बैठक कक्ष में लाना है। पढ़ना सिर्फ एक शैक्षणिक गतिविधि नहीं है। यह एक सामाजिक और भावनात्मक गतिविधि भी है। जब परिवार के सदस्य या दोस्त साथ में पढ़ते हैं, तो वे बातचीत, सहानुभूति और सोचने-समझने के लिए जगह बनाते हैं - यह साथ मिलकर ध्यान देने का एक ऐसा गुण है, जो ऐप-सूचना और रोज़मर्रा की ज़रूरतों में बंटी ज़िंदगी में अब कम ही देखने को मिलता है। इस बारे में हुए अध्ययन लगातार बताते हैं कि जिन बच्चों को पढ़कर सुनाया जाता है और जो अपने आस-पास बड़ों को पढ़ते हुए देखते हैं, उनमें न सिर्फ़ पढ़ने-लिखने की बेहतर समझ विकसित होती है, बल्कि उनकी अंदरूनी दुनिया भी ज़्यादा समृद्ध होती है। आरईपी अंतरपीढ़ी सहयोग की संभावनाएं भी खोलता है। युवा पाठक अपने दादा-दादी या नाना-नानी को पढ़कर सुना सकते हैं। किशोर अपने बड़ों की पसंदीदा कहानियों को पढ़ सकते हैं। ऐसा करने पर, पढ़ना सिर्फ़ अकेले में किया जाने वाला या मजबूरी का काम नहीं रह जाता, बल्कि कुछ और ही बन जाता है - इसे मेरा समय' के साथ-साथ हमारा समय भी कहा जा सकता है। ऐसा करने पर, पढ़ना सिर्फ़ अकेले में किया जाने वाला या मजबूरी का काम नहीं रह जाता, बल्कि कुछ और ही बन जाता है - इसे मेरा समय' के साथ-साथ हमारा समय भी कहा जा सकता है। एक समाज के रूप में, हमें अपने आप से एक आसान, लेकिन गहन सवाल पूछना चाहिए: क्या हम स्क्रीन के निष्क्रिय उपयोग का एक हिस्सा वापस ले सकते हैं और उसे उपयोगी पढ़ाई में बदल सकते हैं? हमारा मानना है कि जवाब हाँ है - यदि हम किताबें उपलब्ध कराएं, उन्हें आकर्षक बनाएं और पढ़ाई को बोझ नहीं, बल्कि अपनी पसंद का काम बनाएं। राष्ट्रीय ई-पुस्तकालय अपने अगले चरण में प्रवेश कर रहा है, लेकिन शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका को कम करके नहीं आंका जा सकता। शिक्षक, पुस्तकालयाध्यक्ष और स्कूल के अग्रणी सिर्फ़ सीखने-सिखाने में मदद करने वाले नहीं होते, बल्कि वे संस्कृति को आकार देने वाले भी होते हैं। पढ़ने की जो आदतें बच्चे स्कूल में विकसित करते हैं, वे अक्सर जीवन भर उनके साथ रहती हैं। पुस्तकालयाध्यक्ष द्वारा सुझाई गई किताबें एक युवा व्यक्ति की सोच का दिशा बदल सकती हैं। स्कूल जीवन में आरईपी के अर्थपूर्ण समावेश के लिए कई स्तरों पर सोच-समझकर कोशिशें करनी होंगी: पुस्तकालय-कक्षाओं को केवल निगरानी वाले अध्ययन कक्ष के बजाय, सक्रिय ज्ञान-प्राप्ति स्थान के रूप में पुनर्जीवित करना, निर्देश के अनुसार पढ़ने और कहानी सुनाने वाले सत्रों को प्रोत्साहित करना, जहां शिक्षक अपनी पसंदीदा किताबें साझा करें

भाषा विभाग को चाहिए सुधारों की कलम

राजेंद्र राजन

चौथा, मुद्दा संस्कृति सदनों का है। अस्सी के दशक में हर जिले में खुले लेखक गृह बंद हो चुके हैं। भाषा विभाग या सरकार ने 2009 में प्लेट में सजा कर क्रिकेट स्टेडियम के पास स्थित धर्मशाला का लेखक गृह केन्द्रीय विश्वविद्यालय को सौंप दिया और वह 17 साल से उस पर कब्जा जमाए बैठा है। भाषा विभाग उससे किराये के रूप में 70 लाख से ज्यादा प्राप्त कर चुका है। इस राशि से लेखक गृह का नया भवन बनाया जा सकता था। लेकिन कम्फर्ट ज़ोन में सांस लेने वाली अफसरशाही के कानों में जूं तक नहीं रेंगती लंबे समय से हिमाचल सरकार का भाषा विभाग व अकादमी विवादों में रहे हैं। 1972 में जब इन दो सस्थानों की स्थापना की गई थी तो कलाकारों, लेखकों और संस्कृति कर्मियों ने इनका स्वागत किया था। अस्सी के दशक में कला, संस्कृति और साहित्य के संरक्षण और संवर्धन के लिए समर्पित इन विभागों को एमके काव, श्रीनिवास जोशी जैसे कल्पनाशील और जुनूनी अधिकारियों का मार्गदर्शन प्राप्त था तो वीरभद्र सिंह जैसे मुख्यमंत्री का भी संस्कृतिकर्मियों के प्रति विशेष अनुराग था। वक्त ने करवट बदली और भविष्य में सत्तासीन होने वाली सरकारों, खासकर भाजपा के शासन काल में अस्सी के दशक में शुरू हुई कल्याणकारी योजनाएं बंद होती चली गईं। आम धारणा है कि दक्षिणपंथी व संघी विचारधारा की सरकारें कला, संस्कृति और अदबी दुनिया की विरोधी रही हैं और लेखक समाज तो शायद उन्हें फूटी आंख नहीं सुहाता। बहरहाल, विगत कुछ वर्षों यानी वर्तमान कांग्रेस सरकार के शासन में संस्कृति विभाग के सचिव राकेश कंवर ने लेखक समुदाय के हित में कुछ दूरगामी फैसले लिए जिनकी प्रशंसा भी हुई। ख़ासकर गेयटी थियेटर परिसर में 'शिमला किताबघर' की स्थापना और फिर इस प्रयोग को प्रत्येक जिला भाषा अधिकारी कार्यालय में विस्तारित किया गया। शिमला में जो साहित्यिक व सांस्कृतिक संस्थाएं आए रोज गोष्ठियों का आयोजन करती रहती थीं, उन्हें गेयटी थियेटर का सम्मेलन कक्ष नि:शुल्क उपलब्ध करवा दिया गया। जो कभी कभार ऐसे आयोजनों को गेयटी में करवाते रहते हैं, उन्हें 10 हजार तक पूरे दिन का किराया अदा करना पड़ता है। इससे लेखकों और उन संस्थाओं में भारी रोष व्याप्त है जो चंद घंटों के लिए हजारों की फीस देने के लिए बाध्य हैं। सरकार का यह निर्णय भेदभाव को बढ़ावा दे रहा है जिस पर तत्काल प्रभाव से पुनर्विचार की आवश्यकता है। साहित्यिक, सांस्कृतिक संस्थाएं पूर्ण रूप से 'नॉन कमर्शियल' हैं और पाई-पाई जोडक़र साहित्य, कला व संस्कृति की सेवा को समर्पित हैं। सरकार को चाहिए कि वे सभी संस्थाओं को बराबरी के नज़रिए से ट्रीट करे। सभी संस्थाओं को गेयटी थियेटर नि:शुल्क उपलब्ध करवाए अथवा या जिन्हें यह सुविधा दी जा रही हैं उसे निरस्त करें। दूसरा ज्वलन्त मुद्दा शिमला किताब घर का है जहां पूर्व में हिमाचली लेखक अपनी पुस्तकों की बिक्री के लिए अपनी पुस्तकें सीधे भेजते थे। कुछ समय से अकादमी और भाषा विभाग ने पुस्तकों के डिस्पले और बिक्री पर 'सेन्सर कमेटी' का गठन कर दिया है। अकादमी या भाषा विभाग के बाबू, जो अदबी दुनिया से संभवत: कतई बेखबर हैं, यह तय कर रहे हैं कि किस-किस लेखक की कौनसी कौनसी किताबों को अकादमी के गोदाम में डम्प करना है, उसे सडऩे के लिए छोड़ देना है या फिर उसका चयन कर शिमला किताब घर भेजना है? हिमाचल के लेखकों की किताबों की बिक्री के लिए यह आपातकाल का दौर है। किस लेखक की कौनसी किताब बिकने की क्षमता या सामर्थ्य रखती है, यह केवल पाठक ही तय कर सकता है। अकादमी या विभाग नहीं। यह निर्णय सीधे-सीधे लेखकों और उनकी किताबों के प्रति तिरस्कार भाव का सूचक है। जो किताबें न बिकें, उन्हें छह महीने या साल के बाद लेखक को लौटा देना चाहिए, ताकि शिमला किताबघर में नई किताबों या पत्रिकाओं के लिए स्पेस क्रिएट हो सके। लेकिन अकादमी और भाषा विभाग इस मामले में तानाशाही जैसा रवैया अपनाए हुए है? लोकतान्त्रिक व्यवस्था का तकाज़ा है कि वह लेखकों की किताबों की बिक्री प्रक्रिया को सुगम व सरल बनाए। मगर ब्यूरोक्रेसी स्वयं को सर्वश्रेष्ठ साबित करने में ही वक्त जाया करती रहती है। लेखक समाज के प्रति उसकी संवेदनशीलता का तो प्रश्न ही नहीं उठता। तीसरा मुद्दा, कभी गुलेरी जयंती तो कभी यशपाल जयंती या दीगर महान लेखकों की जयंतियों या अन्य सरकारी गोष्ठियों में लेखकों को दिए जाने वाले पारिश्रमिक का है। ज़िला या राज्यस्तरीय कार्यक्रमों में लेखकों की औकात मजदूर या मिस्त्री की दिहाड़ी से भी बदत्तर है। हिमाचल में निर्माण कार्यों में मजदूर की दिहाड़ी 700/- रुपए है तो मिस्त्री 1000/- रुपए लेता है। दूसरी ओर जिला या राज्यस्तर की संगोष्ठियों में भाग लेने वाले साहित्यिकारों को क्रमश: 450/- या 650/- रुपए अदा करने का प्रावधान है। लेखक के लिए यह अत्यंत शर्मनाक स्थिति है, लेकिन वह दौड़-दौडक़र सभी सरकारी प्रोग्रामों में 'सुशोभित' होने के लिए हर शहर, हर कस्बे में पहुंच जाता है। लेखक को रचनात्मक अभिव्यक्ति के लिए मंच चाहिए। चौथा, मुद्दा संस्कृति सदनों का है।

दैनिक
विश्व परिवार
रायपुर/धर्म समाज/देश
रायपुर, सोमवार 17 अगस्त 2026
www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

जिन शासन का यही धर्म है, कि गूरू अपने शिष्य को अपने जैसा बनाता हैः आचार्य प्रसन्न सागर जी

- जैन इतिहास में पहली बार गणचार्य पुष्पदंत सागर जी ने अपने हाथों से अपने शिष्य को पट्ट विभूषित किया
- प्रसन्न सागर बने पट्ट विभूषण अंतर्मना आचार्य प्रसन्न सागर जी

औरंगाबाद (विश्व परिवार)। जब व्यक्ति साधना ध्यान में लीन होता है महीनों तक भोजन ग्रहण नहीं करता है फिर भी उनके चेहरे की रौनक वैसी ही रहती है तो फिर इसे विभूषण ही बना दिया जाए समय का भरोसा नहीं कब मृत्यु आ जाए अब जिम्मेदारी प्रसन्न सागर को संभालना है यह बात पट्ट विभूषण के संस्कार महोत्सव के प्रथम दिन पुष्पगिरी तीर्थ प्रणेता गणाचार्य श्री 108 पुष्पदंत सागर जी उपस्थित भक्तों से कही उन्होंने पट्ट विभूषण संस्कार से पूर्व अपने शिष्य का हाथ पकड़ के उन्हें नवीन चौकी के समक्ष लाकर मंत्रोच्चार किया। शिष्य की नजर उतारी तो शिष्य के आसू छलक उठे .गुरु ने शिष्य के आंसू पोछ गले लगाया और उन्हें चौकी पर बैठाया व मस्तक पर केशर तिलक के साथ पट्ट विभूषण के संस्कार किए। यह दृश्य देख उपस्थित भक्त भाव विभोर हो गए जहां पूरा सदन गुरु शिष्य के नारे से गुंजयमान हो गया। जिसके बाद पट्ट विभूषित पट्टाचार्य अंतर्मना प्रसन्न सागर ने गुरु के चरण पखारे ओर जल अपने मस्तक से लगाया। इस अवसर पर अंतर्मना प्रसन्न सागर ने कहा कि दीक्षा को 37 साल हो गए हैं। कभी गुरूदेव के सामने नहीं बैठे। हमेशा नीचे ही बैठे। मुझे इस बात का बहुत ही डर लग रहा था कैसे गुरूदेव के बगल में इस आसान पर बैठू, जिन शासन का एक ही धर्म है, जो गूरू अपने शिष्य को अपने जैसा बनाता है, और अपने स्थान पर बैठाता है, ये जैन समाज में ही इतनी उदारता है। जब तक गुरु के साथ रहूंगा जब तक पप्पू परमपूज्य मुनि बन कर ही रहूंगा। गुरुदेव आपने दांत दिए है अब दाना भी देना उन्होंने जैन समाज से प्रार्थना करते हुए कही कि सम्पूर्ण समाज एक अच्छे समाज सेवक बने अच्छे नागरिक व सच्चे देशवासी बने पंथवाद को मंदिर तक सीमित रख समाज देश कल्याण की ओर बड़े।

संघ प्रवक्ता रोमिल जैन ने बताया कि आयोजन से पूर्व तीर्थ द्वारा संचालित मां जिनवाणी पब्लिक स्कूल द्वारा आयोजित स्वतंत्रता दिवस समारोह में उपस्थित बच्चों के साथ गणाचार्य संघ तीर्थ पहाड़ी पर 101 फिट के पोल पर 51 फिट का तिरंगा लहराया गया। झंडा बंधन युवा उद्योगपति कमलेश हनी बनी जैन इंदौर ने किया।

पट्ट विभूषण संस्कार का शुभारंभ अध्यक्ष अंतर्मना ट्रस्ट शांतिलाल बेलावत, संघ पति दिलीप हुमड गुरु भक्त सुभाष चूड़ीवाल द्वारा द्वीपप्रज्वलन के साथ किया गया। मंगलाचरण मुनि नेगम सागर जी महाराज ने किया। सिंहासन का लोकार्पण मनीष सपना गोधा, मंत्री कैलाश विजयवर्गीय इंदौर ने किया वही चौकी पर चंदन तिलक लगाने का सौभाग्य मनोज शिल्पा झांझरी हैदराबाद परिवार को मिला। इस अवसर मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि गुरु पुष्पदंत सागर ने अंतर्मना आचार्य श्री के रूप में एक हीरा चुना है।

जीवन में यथार्थ-सत्य का बोध होना ही सच्ची-स्वतंत्रता है : पट्टाचार्य श्री विशुद्ध सागर जी महाराज

नई दिल्ली (विश्व परिवार)। पट्टाचार्य श्री विशुद्ध सागर जी महाराज के परम भक्त वैभव जैन बड़ामलहरा जी ने अवगत कराया की दिल्ली, ऋष भोदय, ऋषभविहार में विराजित दिगम्बर जैन पट्टाचार्य श्री विशुद्ध सागर जी गुरूदेव ने धर्मसभा में सम्बोधन करते हुए कहा कि - सत्य का बोधटी सच्ची-स्वतंत्रता जीवन में यथार्थ-सत्य का बोध होना ही सच्ची-स्वतंत्रता है। जबतक परतंत्रता का बोध नहीं होगा, तब-तक आप स्वतंत्र होने का पुरुषार्थ नहीं करोगे। परतंत्रता से बचो । विचार करो, मैं स्वतंत्र था, स्वतंत्र हूँ स्वतंत्र ही रहूंगा। स्वतंत्रता का बोध करो, स्वतंत्रता प्राप्त करो। बोध 1 से से ही शोध प्रारम्भ होता है।

जो राग की रस्सी से बंधा है, उसे अभी अपनी स्वतंत्रता का बोध ही नहीं है। रस्सी से बंधा एक पशु भी परतंत्र नहीं रहना चाहता, वह भी रस्सी तोड़कर मुक्त होना चाहता है।

दुर्लभ-से-दुर्लभ तत्त्व-ज्ञान

इस कलिकाल में काल खोटा है, पुण्य क्षीण लोग हैं, भोगों में मनुष्य लिप्त है, ऐसा काल में सत्य को कहने वाले भी दुर्लभ हैं, सुनने वाले अल्प हैं, मानने वाले अत्यल्प हैं और तत्त्व को जानकर उसके अनुसार आचरण करने वाले अल्प-से अल्प हैं। अत्यन्त मनुष्य भव प्राप्त करना बहुत दुर्लभ है। उच्च- कुल दुर्लभ है। उत्कृष्ट क्षयोपशम, स्वस्थ तन-मन, अच्छे गुरु अच्छा देश, श्रेष्ठ-मित्र, अच्छे सहयोगी, ये सब बहुत दुर्लभ है। अपनी शक्ति का दुरुपयोग मत करो। अपनी शक्ति को समीचीन कार्यों में प्रयोग करो। विनाश नहीं, सृजन करो। वृक्ष उखाड़ो मत, नवीन वृक्षारोपण करो। बीज ही अंकुरित होगा, अंकुर ही वृक्ष बनेंगे, वृक्ष ही छाया व फल देंगे।

त्याग से मुक्ति

त्याग से सुख, शांति एवं परतंत्रता से मुक्ति मिलती है। एक तोते ने गुरु के वचन सुने 'त्याग करने से मुक्ति मिलती है'। तोते ने क दाना-पानी का त्याग कर दिया। उसने दिन-भर कुछ नहीं खाया-पिया। लस्त पड़ा रहा। मालिक धर्मात्मा दयालु था।

उसने सोचा, कहीं तोता मर न जाए। उसने तोते के पिंनड़े का द्वार खोल दिया। जब तोते ने देखा कि पिंजड़े का द्वार खुला है, तो वह उड़कर बाहर आकाश में उड़ गया। त्याग करने से तोता स्वतंत्र हो गया।

सच्ची-स्वतंत्रता यही है कि हम किसी को परतंत्र न करें। आप यदि स्वतंत्रता के पक्षधर हैं, तो आज से नियम ले लो किसी को जाल में नहीं फंसाएंगे, घर में पिंजड़ों में चूहे नहीं फँसायेंगे।

80 वें स्वतंत्रता दिवस पर ग्रामीण अंचलों में शान से फहराया तिरंगा

- अहिंसा सेवा संगठन ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों को किया पुरस्कृत।

ललितपुर (विश्व परिवार)। 80 वें स्वतंत्रता दिवस पर ग्रामीण अंचलों में शान से तिरंगा फहराया। इसी क्रम में विकासखंड मडावरा अंतर्गत उच्च प्राथमिक विद्यालय गुरयाना में इंचार्ज प्रधानाध्यापक संतोष कुशवाहा ने ध्वजारोहण किया। वक्ताओं ने देश के महापुरुषों के चित्र पर पुष्प समर्पित कर श्रद्धांजलि समर्पित की उनके त्याग और बलिदान पर प्रकाश डाला। विशाल जैन पवा देश भक्ति गीत के माध्यम से आजादी के इतिहास का व्याख्यान कर नव भारत निर्माण में स्वदेशी अपनाने का मन्त्र दिया। शिक्षामित्र अनीता तिवारी ने राष्ट्र की आजादी को बनाये रखने एवं देश के सम्मान में समर्पित रहने का आह्वान किया। बच्चों ने इस मौके पर बच्चों ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये। अलग -अलग क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए अहिंसा सेवा संगठन ने बच्चों को पुरस्कृत किया। संचालन सहायक अध्यापक विशाल जैन पवा ने किया।

महापौर अलका बाघमार ने नगर निगम मुख्यालय में किया ध्वजारोहण

दुर्ग (विश्व परिवार)। नगर पालिक निगम दुर्ग में गौरवशाली परंपरा के अनुरूप 80वां स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास एवं गरिमामय वातावरण में समारोहपूर्वक मनाया गया। नगर निगम मुख्यालय में आयोजित स्वतंत्रता दिवस समारोह में मुख्य अतिथि महापौर श्रीमती अलका बाघमार ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया। इस अवसर पर आयुक्त मोहेंद्र साहू सहित निगम के अधिकारी-कर्मचारी एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। महापौर श्रीमती अलका बाघमार ने शहर एवं प्रदेशवासियों के नाम अपना संदेश वाचन किया तथा सभी को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

उन्होंने देश की आजादी के लिए अपने प्राणों का बलिदान देने वाले स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों एवं वीर जवानों को नमन करते हुए कहा कि स्वतंत्रता हमारे लिए गौरव और जिम्मेदारी दोनों है। देश की एकता, अखंडता और विकास में प्रत्येक नागरिक की महत्वपूर्ण भूमिका है।

महापौर ने कहा कि नगर निगम परिवार के अधिकारी-कर्मचारियों में बहुत सहनशीलता है और वे अपने दायित्वों एवं कर्तव्यों को लेकर गंभीर रहते हैं। उन्होंने कहा कि निगम के अधिकारी-कर्मचारी शहर की मूलभूत सुविधाओं और नागरिक सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए निरंतर कार्य करते हैं। उनके समर्पण और मेहनत से ही नगर निगम की व्यवस्थाएं सुचारू रूप से संचालित होती हैं।

उत्कृष्ट कार्य करने वालों का सम्मान

स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान महापौर एवं आयुक्त ने नगर निगम के विभिन्न विभागों में उत्कृष्ट एवं उल्लेखनीय कार्य करने वाले अधिकारी-कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। महापौर ने सम्मानित कर्मचारियों को बधाई देते हुए कहा कि उनके कार्य और समर्पण से अन्य कर्मचारियों को भी बेहतर कार्य करने की प्रेरणा मिलेगी।

स्वातंत्र दिवस पर कर्मवीर मल्टिस्टेट जयसिंगपूर शाखा कोल्हापूर में ध्वजारोहन

कोल्हापूर (विश्व परिवार)। 15 आगस्त स्वातंत्र दिन पर कर्मवीर मल्टिस्टेट जयसिंगपूर शाखा कोल्हापूर में ध्वजारोहन श्री जयदीप पाटील जी द्वारा किया गया,स्वतंत्रता दिवस पर सभी ने मिलकर भारत का राष्ट्रगान 'जन-गण-मन' गाया। दक्षिण भारत जैन सभा के ट्रस्टी श्री सुरेश रोटे, श्री अभिषेक पाटील शाखा सल्लागार,कर्मवीर मल्टिस्टेट के सभासद एवं स्टाफ उपस्थित थे।

80 वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर कर्मवीर मल्टिस्टेट कोल्हापूर में श्री अभिषेक अशोक पाटील जी ने मनोगत में कहा की स्वातंत्रता के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीर अमर बलिदानियों एवं राष्ट्रनिष्ठ स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की अदम्य शौर्यगाथा को नमन करते हुए उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। दक्षिण भारत जैन सभा के ट्रस्टी सुरेश रोटे जी ने मनोगत में देश की प्रगति में युवाओं की सबसे बड़ी भागीदारी है। तकनीकी शिक्षा के जरिए युवाओं को सशक्त बनाना है।

- अभिषेक अशोक पाटील

पूर्व विधायक कुलदीप सिंह जुनेजा ने विभिन्न स्थानों पर किया ध्वजारोहण

रायपुर (विश्व परिवार)। स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर रायपुर उत्तर के पूर्व विधायक कुलदीप सिंह जुनेजा ने अपने विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर आयोजित ध्वजारोहण कार्यक्रमों में शामिल होकर राष्ट्रीय ध्वज को सलामी दी।

इस दौरान उन्होंने साईं नगर पंचायत भवन, राजीव भवन देवेंद्र नगर, नमस्ते चौक, जैन समाज की मातृशक्ति के कार्यक्रम तथा देवेंद्र नगर फ्लाईओवर के नीचे स्थित पंडरी एवं मोवा कुष्ठ बस्ती में ध्वजारोहण कर स्वतंत्रता दिवस का उत्सव मनाया।

इस अवसर पर श्री जुनेजा ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस केवल उत्सव का दिन नहीं, बल्कि देश की आजादी के लिए अपने प्राणों का बलिदान देने वाले वीरों को याद करने का अवसर भी है। उन्होंने देश की एकता, अखंडता और लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत बनाने का संकल्प लेने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में उनके सहयोगी जसबीर ढिल्लन, सुनील भुवाल, कमल घृतलहरे, रमेश यादव, जगन्नाथ यादव, महादेव अग्रवाल, महेंद्र सेन, राजेश यादव, विजय सिक्का और युधिष्ठिर नायक सहित बड़ी संख्या में मातृशक्ति एवं क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

श्री जुनेजा ने कहा कि हम सभी को देश की प्रगति, सामाजिक समरसता और संविधान के मूल्यों की रक्षा के लिए मिलकर कार्य करना चाहिए।

बैंक ऑफ़बड़ौदा ने देशभक्ति की भावना के साथ मनाया देश का 80वां स्वतंत्रता दिवस

मुंबई (विश्व परिवार)। भारत के अंतर्राष्ट्रीय बैंक, बैंक ऑफ़ बड़ौदा ने मुंबई स्थित अपने कॉर्पोरेट कार्यालय में देशभक्ति की भावना के साथ भारत का 80वां स्वतंत्रता दिवस मनाया।

समारोह के आरंभ में बैंक ऑफ़ बड़ौदा के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी डॉ. देबदत्त चांद द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फ्हराया गया। इस अवसर पर बैंक के कार्यपालक निदेशकों और वरिष्ठ नेतृत्व के साथ-साथ कर्मचारियों ने राष्ट्रगान गाया।

इस अवसर पर संबोधित करते हुए, बैंक ऑफ़ बड़ौदा के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी, डॉ. देबदत्त चांद ने कहा, 'स्वतंत्रता दिवस उन लोगों के साहस और बलिदान का सम्मान करने का अवसर है, जिन्होंने हमारी स्वतंत्रता के लिए संघर्ष किया और एक सशक्त राष्ट्र के स्वरूप को साकार किया। साथ ही, यह भविष्य के प्रति हमारे सामूहिक उत्तरदायित्व को नए सिरे से स्वीकार करने का भी अवसर है।' एक अधिक सशक्त और समावेशी अर्थव्यवस्था बनने की ओर आगे बढ़ रहे भारत के लिए वित्तीय समावेशन का विस्तार करने, उद्यमशीलता को बढ़ावा देने और आकांक्षाओं को साकार करने में बैंकिंग क्षेत्र की महत्वपूर्ण भूमिका है।

बड़े बाबा के चरणों में आने वाला हर व्यक्ति स्वयं में बड़ा बन जाता है: मुनि श्री समता सागर जी

कुण्डलपुर (म.प्र.) (विश्व परिवार)। सिद्धक्षेत्र कुण्डलपुर में देशभर से पहुंचे श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए निर्यापक श्रमण मुनि श्री समतासागर जी महाराज ने कहा कि आप सभी सिद्धक्षेत्र की वंदना करने के लिए कुण्डलपुर पधारे हैं। यहां विराजमान बड़े बाबा भगवान श्री आदिनाथ जी का प्रभाव आप सभी अनुभव करते हैं। हमारे छोटे बाबा आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज आज भौतिक देह के रूप में हमारे बीच उपस्थित नहीं हैं, लेकिन वे पूरे भारतवर्ष और हम सभी के हृदय में आज भी विराजमान हैं।मुनि श्री ने कहा कि छोटे बाबा हमारे भीतर से निकलकर जाना भी चाहें तो नहीं जा सकते, क्योंकि वे हमारे अंदर आकर नहीं बैठे हैं, बल्कि हमने अपनी श्रद्धा, भावना और निवेदन से उन्हें अपने हृदय में स्थान दिया है। जब हमने अपनी भावनाओं से उन्हें अपने भीतर विराजमान किया है, तो हमारी इच्छा के बिना वे कहीं जा ही नहीं सकते। यही कारण है कि आज भी प्रत्येक श्रद्धालु बड़े बाबा के चरणों में यही भावना भाता है कि जब तक हमारे गुरुवर को मुक्ति प्राप्त न हो और जब तक हम सभी संसार के बंधनों से मुक्त न हों, तब तक भव-भव में वही गुरुवर हमारे गुरु बने रहें। उन्होंने कहा कि वर्षाकाल चल रहा है और इस समय सभी श्रद्धालु देव, शास्त्र और गुरु की भक्ति में तत्पर हैं। पूरे देश में मुनि संघों एवं आर्यिका संघों के चातुर्मास चल रहे हैं। सभी चातुर्मास आनंदपूर्वक, निर्विघ्न और जिनधर्म एवं जिनशासन की प्रभावना के साथ संपन्न हों, ऐसी भावना हम सभी को करनी चाहिए। अविनाश जैन 'विद्यावाणी' एवं प्रचारमंत्री जयकुमार जैन 'जलज' ने बताया कि प्रात:कालीन बेला में निर्यापक मुनि श्री समतासागर जी महाराज ने श्रद्धालुओं को बड़े बाबा के चरणाभिषेक के साथ शुद्ध भावना और अनुमोदना का महत्व समझाया।

महावीर बाल संस्कार केंद्र में शान से लहराया तिरंगा, स्वतंत्रता दिवस पर विद्यार्थियों ने भारत बोलने एवं स्वदेशी वस्तुओं को अपनाने का संकल्प लिया

- महावीर बाल संस्कार केंद्र में शान से लहराया तिरंगा
- स्वतंत्रता दिवस पर विद्यार्थियों ने लिया भारत बोलने एवं स्वदेशी वस्तुओं को अपनाने का संकल्प

अकलतरा (विश्व परिवार)। स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर महावीर बाल संस्कार केंद्र में राष्ट्रभक्ति एवं उत्साह का वातावरण देखने को मिला, स्वतंत्रता दिवस का कार्यक्रम निर्यापक श्रवण मुनि श्री 108 प्रसाद सागर महाराज एवं मुनि श्री 108 शीतल सागर महाराज के मंगल उपस्थिति में आयोजित हुआ , विद्यालय परिसर में ध्वजारोहण महावीर शिक्षण समिति के कोषाध्यक्ष विजय जैन एवं सचिव वीरेंद्र जैन द्वारा किया गया, कार्यक्रम में संतों के सानिध्य में विद्यार्थियों एवं उपस्थितजनों ने देश की स्वतंत्रता, संस्कृति और स्वाभिमान के महत्व को समझते हुए राष्ट्रहित में कार्य करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में निर्यापक श्रवण मुनि श्री 108 प्रसाद सागर महाराज ने कहा कि भारत में प्रथम राष्ट्रीय ध्वज 7 अगस्त 1906 को कोलकाता में फ्हराया गया था, राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा हमारी एकता एवं शान का प्रतीक है, स्वतंत्रता केवल अधिकारों का नाम नहीं, बल्कि राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों को समझने और उनका ईमानदारी से निर्वहन करने का भी संदेश देती है, मुनि श्री ने विद्यार्थियों से देश की गौरवशाली संस्कृति, परंपराओं और विरासत को समझने तथा राष्ट्र निर्माण में अपनी सकारात्मक भूमिका निभाने का आह्वान किया।

'इंडिया नहीं, भारत' बोलने का लिया संकल्प

कार्यक्रम का विशेष आकर्षण विद्यार्थियों द्वारा लिया गया संकल्प रहा, निर्यापक श्रवण मुनि श्री 108 प्रसाद सागर महाराज एवं मुनि श्री 108 शीतल सागर महाराज के मार्गदर्शन में उपस्थित छात्र-छात्राओं ने 'इंडिया' के स्थान पर 'भारत' शब्द के प्रयोग को प्राथमिकता देने का संकल्प लिया, इसके साथ ही विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति, संस्कार और राष्ट्र के प्रति गौरव की भावना को जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित किया गया

स्वदेशी वस्तुओं को अपनाने पर जोर

मुनिश्री 108 प्रसाद सागर महाराज ने विद्यार्थियों से दैनिक जीवन में अधिक से अधिक स्वदेशी वस्तुओं को अपनाने की अपील की, उन्होंने कहा कि स्वदेशी वस्तुओं का उपयोग केवल खरीदारी का विषय नहीं, बल्कि देश के स्थानीय कारीगरों, उद्यमियों और अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, विद्यार्थियों से आग्रह किया गया कि वे स्वयं स्वदेशी वस्तुओं के प्रति जागरूक हों और अपने परिवार तथा समाज में भी इसके लिए जनजागृति लाएं। हम इंडिपेंडेंस तो हो गए लेकिन आधुनिक यंत्रों पर डिपेंड हो गए - मुनि श्री 108 शीतलसागर महाराज - स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए मुनि श्री 108 शीतलसागर महाराज ने कहा कि भारत की गुरुकुल शिक्षा पद्धति को पूरे विश्व में जाना जाता था, गुरु एवं शिष्य की परंपरा भारत में अनादि काल से चले आ रही थी लेकिन भारत में ब्रिटिश शासन के आगमन के बाद सन 1835 में लॉर्ड मैकाले ने अंग्रेजी शिक्षा व्यवस्था को लागू किया इसका मुख्य उद्देश्य ऐसी शिक्षा व्यवस्था लागू करना था जिससे भारत के लोग रंग और रक्त से तो भारतीय हो लेकिन सोच और आचार विचार से अंग्रेज हो, लॉर्ड मैकाले द्वारा अंग्रेजी शिक्षा व्यवस्था लागू करने से भारत में गुरुकुल और स्थानीय पाठशालाओं के माध्यम से प्राचीन शिक्षा व्यवस्था समाप्त होने के साथ देश में संस्कृत एवं अन्य प्राकृत भाषा लुप्त होने के साथ अंग्रेजी भाषा शिक्षा व्यवस्था में घुस गई, भारत देश में कई महान वैज्ञानिकों द्वारा जन्म लेने के बाद विश्व में एक से बढ़कर एक अविष्कार किए गए लेकिन हमें शिक्षा में विदेशी वैज्ञानिकों के द्वारा खोज किए गए अविष्कारों की जानकारी प्रदान करने के साथ भारत के प्राचीन इतिहास को मिटाने का प्रयास किया गया, बच्चों को विद्यालय में प्रवेश लेने के बाद पहले 1 से लेकर 20 तक का पहाड़ा सीखने के साथ-साथ बाजार में अर्थव्यवस्था सीखने के लिए सवा, डेढ़, ढाई एवं अन्य पहाड़ भी सिखाया जाता था लेकिन वर्तमान में अंग्रेजी शिक्षा व्यवस्था में हमें पहाड़े की जगह टेबल सिखाया जा रहा है, देश को आजाद हुए 80 वर्ष हो गए लेकिन हम इंडिपेंडेंस नहीं होकर वर्तमान में कैलकुलेटर, मोबाइल लैपटॉप एवं अन्य आधुनिक यंत्रों के डिपेंड होते जा रहे हैं यह आधुनिक पीढ़ी के लिए चिंता का विषय है, छात्र जीवन का विशेष महत्व होता है छात्र-छात्राएं जीवन में एक लक्ष्य बनाकर लक्ष्य की ओर अग्रसित होने के होने के साथ देश एवं राष्ट्र की सेवा करने का संकल्प ले।

संक्षिप्त समाचार

एचडीएफसी बैंक ने फ्रॉड अवेयरनेस के लिए 'विजिल आंटी सेज़ - लेज़ीनेस सेव्स' कैंपेन लॉन्च किया

मुंबई, : देश के 80वें स्वतंत्रता दिवस के जश्न के बीच भारत के लीडिंग प्राइवेट सेक्टर बैंक, एचडीएफसी बैंक ने आज 'विजिल आंटी सेज़ - लेज़ीनेस सेव्स' नाम का एक फ्रॉड अवेयरनेस कैंपेन लॉन्च करने की घोषणा की है। यह कैंपेन ग्राहकों को डिजिटल ट्रांज़ेक्शन करते समय बिना सोचे-समझे फैसले लेने से पहले रुकने के लिए बढ़ावा देने के लिए बनाया गया है। यह कैंपेन भारत के कुछ सबसे मशहूर स्टैंड-अप कॉमेडियन के साथ-साथ डिजिटल फ्रॉड पर बैंक की सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर विजिल आंटी को एक ज़रूरी मैसेज जब फ्रॉड की बात आती है, तो थोड़ा रुकना असल में आपको बचा सकता हैदेने के लिए एक साथ लाता है। सात-एपिसोड का कॉमेडी स्पेशल 'विजिल आंटी सेज़- लेज़ीनेस सेव्स' 15 अगस्त, 2026 से जियोहॉटस्टार पर विशेष रूप से स्ट्रीम होना शुरू होगा। यह अभियान सभी प्रकार की डिजिटल धोखाधड़ी में एक सामान्य घटना को संबोधित करता है, धोखेबाज़ जल्दबाजी में फलते-फूलते हैं। चाहे वह एक फर्जी ओटीपी अनुरोध हो, एक फ़िशिंग लिंक हो, या डिजिटल गिरफ्तारी धोखाधड़ी हो, वे चाहते हैं कि लोग तुरंत प्रतिक्रिया दें। 'विजिल आंटी सेज़-लेज़ीनेस सेव्स' का उद्देश्य पूरे देश में सरल धोखाधड़ी रोकथाम आदतों को फैलाना और लोगों को जल्दबाजी में प्रतिक्रिया करने से पहले रुकने के लिए प्रोत्साहित करना है। यह एक संदिग्ध अनुरोध का सामना करने पर 'कुछ नहीं करने' को सबसे चतुर चाल के रूप में रखता है। एचडीएफसी बैंक के मुख्य विपणन अधिकारी और समूह प्रमुख श्री रवि संथानम ने कहा, धोखाधड़ी करने वाले लोगों को त्वरित गलतियां करने के लिए घबराहट और जल्दबाजी का इस्तेमाल करते हैं। 'विजिल आंटी कहती है 'आलस्य बचाता है' का इरादा दर्शकों से उनकी पसंदीदा कॉमेडी भाषा में बात करना है। भारत के शीर्ष स्टैंड-अप कॉमेडियन और विजिल आंटी धोखेबाजों द्वारा उपयोग किए जाने वाले तौर-तरीकों के बारे में जागरूकता फैलाएंगे। डिजिटल प्लेटफॉर्म पर लेनदेन करते समय सतर्क रहने का संदेश साझा करने के लिए व्यापक दर्शकों तक पहुंचने के इस प्रयास में जियोहॉटस्टार के नेटवर्क का लाभ उठाने पर हमें प्रसन्नता हो रही है।

विजिल आंटी सेज़ - लेज़ीनेस सेव्स', जिसे बैंक की क्रिएटिव एजेंसी FCBKinnect ने बनाया है, पूरे भारत में एक पहल है जिसका मकसद डिजिटल बैंकिंग या ऑनलाइन पेमेंट इस्तेमाल करने वाले हर किसी के लिए है। त्व्द्भ्‌ और डिजिटल-फर्स्ट ऑडियंस को ध्यान में रखकर डिज़ाइन किए जाने के बावजूद, इसका मुख्य मैसेज सभी उम्र के लोगों के लिए काम का है। उन प्लेटफॉर्म पर फ्रॉड के बारे में जागरूकता लाकर, जहाँ लोग पहले से ही एंटरटेनमेंट देखते हैं, इस कैंपेन का मकसद देश भर में बड़ी संख्या में लोगों तक पहुँचना और ऐसे कंटेंट के ज़रिए सुरक्षित डिजिटल आदतों को बढ़ावा देना है जो याद रखने में आसान हो और शेयर करने में और भी आसान हो। कॉमेडी का इस्तेमाल करके, यह कैंपेन फ्रॉड के बारे में जागरूकता को और भी ज़्यादा भरोसेमंद, यादगार और शेयर करने लायक बनाता है। विजिल आंटी एक फिक्शनल कैरेक्टर है जिसे एचडीएफसी बैंक ने साइबर सेफ्टी को आसान और भरोसेमंद बनाने के लिए बनाया है। यह एक जाना-पहचाना और बातचीत करने वाला कैरेक्टर है जो रोज़मर्रा की भाषा में फ्रॉड के खतरों के बारे में बताता है। विजिल आंटी के सभी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर 2.2 मिलियन से ज़्यादा फॉलोअर्स हैं।

डॉ. पुरुषोत्तम चन्द्राकर को राष्ट्रीय गौरव पुरस्कार नई दिल्ली के कन्वेंशन सेंटर में प्रदान किया गया

रंगमंच एवं लोक कला के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान हेतु डॉ. पुरुषोत्तम चंद्राकर को मिला राष्ट्रीय गौरव पुरस्कार 2026

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ रायपुर के प्रतिष्ठित रंग कर्मी लोक कलाकार एवं सांस्कृतिक संरक्षक डॉ पुरुषोत्तम चंद्राकर को रंगमंच एवं लोक कला के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए राष्ट्रीय गौरव पुरस्कार 2026 सम्मान नई दिल्ली स्थित एनडीएमसी कन्वेंशन सेंटर में आयोजित भव्य राष्ट्रीय सम्मान समारोह में प्रदान किया गया।

राष्ट्र गौरव भारतीय रंगमंच एवं लोक संस्कृति के संरक्षण पारंपरिक लोक कलाओं के संवर्धन सांस्कृतिक विरासत के प्रचार प्रसार तथा कला के माध्यम से समाज में जागरूकता एवं सांस्कृतिक मूल्यों को सुदृढ़ करने हेतु किए गए उल्लेखनीय कार्यों को देखते हुए रंगमंच एवं लोककला के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए *डॉ. पुरुषोत्तम चंद्राकर को राष्ट्रीय गौरव पुरस्कार 2026 राष्ट्रीय सम्मान* से 15 अगस्त 2026 को नई दिल्ली स्थित एनडीएमसी कन्वेंशन सेंटर में आयोजित राष्ट्रीय समारोह में *राष्ट्रीय गौरव पुरस्कार 2026* प्रतिष्ठित राष्ट्रीय सम्मान प्रदान किया गया।

डॉ. पुरुषोत्तम चंद्राकर के रंगमंच एवं लोक कला के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान,समर्पण, रचनात्मक प्रतिभा सांस्कृतिक सेवा एवं राष्ट्र की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण के प्रति आपकी निरंतर प्रतिबद्धता को ध्यान में रखते हुए आपको इस प्रतिष्ठित राष्ट्रीय सम्मान राष्ट्रीय गौरव पुरस्कार 2026 प्रदान किया गया।

डॉ. पुरुषोत्तम चंद्राकर राष्ट्रीय स्तर के रंग कर्मी लोक कलाकार हैं। रंगमंच में अपने उत्कृष्ट अभिनय निर्देशन सांस्कृतिक प्रस्तुतियां एवं लोक कलाओं के माध्यम से समाज को भारतीय संस्कृति एवं लोक परंपराओं से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। रंगमंच एवं लोक कला के क्षेत्र में उनकी विशेषज्ञता रचनात्मक दृष्टि एवं सांस्कृतिक समर्पण ने उन्हें एक विशिष्ट पहचान दिलाई है।

डॉ. पुरुषोत्तम चंद्राकर ने नई पीढ़ी को लोक संस्कृति से जोड़ने युवा कलाकारों को मंच प्रदान करने तथा भारतीय लोक कला की समृद्ध परंपरा को आगे बढ़ाने के लिए उल्लेखनीय प्रयास किए हैं एक समर्पित कलाकार एवं सांस्कृतिक मार्गदर्शन के रूप में डॉ. चंद्राकर ने कला को केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं बल्कि समाज में जागरूकता सांस्कृतिक चेतना एवं राष्ट्रीय मूल्यों के संरक्षण का प्रभावी साधन बनाया है उनके मार्गदर्शन एवं प्रेरणा से अनेक युवा कलाकारों ने रंगमंच एवं लोक कला के क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का सफल प्रदर्शन किया है। डॉ.पुरुषोत्तम चंद्राकर का मानना है कि लोक कला किसी भी राष्ट्र की सांस्कृतिक आत्मा होती है इसी विचारधारा के साथ वह भारतीय लोक संस्कृति के संरक्षण सांस्कृतिक मूल्यों के संवर्धन तथा समाज में कला के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए निरंतर कार्यरत हैं। अपने लोककला मंच के माध्यम से लाल किला नई दिल्ली राष्ट्रीय मानव संग्रहालय नई दिल्ली, इंदिरा कला केंद्र नई दिल्ली, पृथ्वी थियेटर मुंबई, एनसीपी थिएटर मुंबई, रविंद्र मंच कोलकाता भुवनेश्वर, संगीत नाटक अकादमी नई दिल्ली के सहयोग से अगरतला, गुवाहाटी, शिलांग, विरासत महोत्सव देहरादून, कुल्लू दशहरा कुल्लू मनाली, अंतर्राष्ट्रीय गिरमिटिया महोत्सव कुशीनगर उत्तर प्रदेश, गोवा, नासिक, नेहरू कला केंद्र जयपुर, शिल्प कला महोत्सव अहमदाबाद, दक्षिण मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र नागपुर, संगीत नाटक अकादमी के माध्यम से जोधपुर, लोक कला महोत्सव झांसी, चेन्नई, भारत भवन भोपाल, उज्जैन कालिदास महोत्सव, जबलपुर, भाग्य नगर हैदराबाद सहित देश भर में छत्तीसगढ़ की समृद्ध कला संस्कृति को बहुत ही सुंदर ढंग से प्रस्तुति देश के प्रतिष्ठित मंचों सहित प्रदेश के सभी महोत्सव लोकउत्सव में प्रस्तुति दिए हैं सुआ, करमा, ददरिया, पंथी राउत नाचा, गौरा गौरी, भोजली, के माध्यम से एवं नाटक राजा फोकलवा, दसमत कईना, लोकमाता अहिल्या देवी,शहीद वीर नारायण सिंह, संत रविदास जी, छत्तीसगढ़ में राम, जैसे प्रसिद्ध नाटकों का मंचन व प्रहसन के माध्यम से सफलतापूर्वक सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दिए हैं।

इस सम्मान के लिए डॉक्टर पुरुषोत्तम चंद्राकर को संस्कार भारती छत्तीसगढ़ के प्रांत महामंत्री श्री हेमंत महुलिकर, चंद्राकर समाज के प्रदेश अध्यक्ष दाऊ श्री दिनेश चंद्राकर, श्री राकेश तिवारी, पद्मश्री भारती बंधु, पद्मश्री राधेश्याम बारले, पद्मश्री अनूप रंजन पांडे, डॉ अजय मोहन सहाय, डॉ. दीनानाथ यादव, सहित छत्तीसगढ़ के कलाकारों, साहित्यकारों, सांस्कृतिक संस्थाओं, शिक्षाविदों एवं नागरिकको ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी है।

बसना में 80वें स्वतंत्रता दिवस पर विधायक डॉ. संपत अग्रवाल ने फहराया तिरंगा,मुख्यमंत्री का संदेश पढ़कर छात्रों को दिया सफलता का मंत्र

आजादी का अमृत पर्वः बसना में विधायक डॉ. संपत अग्रवाल ने ली परेड की सलामी, सांस्कृतिक छटा देख हुए भावविभोर

स्वाधीनता की 80वीं वर्षगांठ पर देश भक्ति के रंग में रंगा बसना,विधायक डॉ. संपत अग्रवाल ने दी क्षेत्रवासियों को शुभकामनाएं

बसना (विश्व परिवार)। पूरा देश जब 80वें स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर स्वाधीनता का अमृत उत्सव मना रहा था, तब बसना विधानसभा क्षेत्र में भी देशभक्ति, अभूतपूर्व उत्साह और हर्षोल्लास का एक अद्भुत वातावरण देखने को मिला। क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक डॉ. संपत अग्रवाल ने विभिन्न गरिमामय आयोजनों में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत कर ध्वजारोहण किया और क्षेत्र की जनता को आजादी की 80वीं वर्षगांठ की हार्दिक बधाई दी।

विधायक डॉ. संपत अग्रवाल ने सुबह सर्वप्रथम नगर पंचायत बसना प्रांगण और तत्पश्चात विधायक जनसंपर्क कार्यालय में पूर्ण विधि-विधान व राष्ट्रगान की गूंज के साथ ध्वजारोहण किया।

इसके बाद, विधायक डॉ. संपत अग्रवाल मुख्य समारोह में सहभागिता हेतु 'पीएम श्री विद्यालय' बसना पहुंचे। विद्यालय परिसर में पहुंचते ही उन्होंने सर्व प्रथम भारत माता और छत्तीसगढ़ महतारी के तैलचित्र पर माल्यार्पण कर विधिवत पूजा-अर्चना की। तदुपरांत, उन्होंने राष्ट्रध्वज फहराया और एनसीसी, स्काउट-गाइड तथा विद्यार्थियों की अनुशासित टुकड़ियों द्वारा प्रस्तुत मार्च पास्ट व परेड की सलामी ली। इस दौरान शांति, समृद्धि और राष्ट्र-गौरव के प्रतीक तिरंगे गुब्बारों को खुले नीले आकाश में छोड़कर खुशियों का संदेश दिया गया।

मुख्य अतिथि की आसंदी से कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक डॉ. संपत अग्रवाल ने भारत के महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों और अमर शहीदों को नमन किया। उन्होंने अपने ओजस्वी विचार व्यक्त करते हुए कहा कि आज हम जिस खुली और आजाद हवा में सांस ले रहे हैं, वह हमारे देश के अनगिनत वीर सपूतों के सर्वस्व त्याग, कड़े संघर्ष और अतुलनीय समर्पण का ही सुखद परिणाम है। उन वीरों का बलिदान सदैव हमें राष्ट्र सेवा की प्रेरणा देता रहेगा। कार्यक्रम के दौरान विधायक डॉ. संपत अग्रवाल ने प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के स्वतंत्रता दिवस संदेश का वाचन किया। उन्होंने उपस्थित जनसमूह को राज्य सरकार द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं, किसानों के हित, युवाओं के रोजगार, महिलाओं के सशक्तीकरण और छत्तीसगढ़ को विकास के नए शिखरों तक पहुंचाने के लिए उठाए जा रहे मजबूत कदमों की जानकारी दी।

विद्यार्थियों और युवा पीढ़ी को संबोधित करते हुए विधायक डॉ. संपत अग्रवाल ने कहा कि बच्चे ही देश का असली आधार और भविष्य हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को जीवन में निरंतर अनुशासित रहने, कड़ी मेहनत करने और लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने का मंत्र दिया, ताकि वे अपनी प्रतिभा से अपने माता-पिता, बसना क्षेत्र और पूरे छत्तीसगढ़ का नाम संपूर्ण भारत में रोशन कर सकें।

संबोधन के पश्चात पीएम श्री विद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा देश भक्ति और लोक संस्कृति पर आधारित एक से बढ़कर एक मनमोहक प्रस्तुतियां दी गईं। लोकनृत्यों, देशभक्ति के गीतों और तिरंगे के रंगों में सजे नन्हे बच्चों के सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने संपूर्ण माहौल को राष्ट्रप्रेम के रंग में सराबोर कर दिया। इन ओजस्वी और विविधता से परिपूर्ण प्रस्तुतियों को देखकर विधायक डॉ. संपत अग्रवाल अत्यंत प्रफुल्लित नजर आए और उन्होंने बच्चों की प्रतिभा की मुक्तकंठ से प्रशंसा करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

छत्तीसगढ़ सतनामी समाज दिमागी नक्सली द्वारा सबसे ज्यादा पीड़ित है: मनोज बंजारे

रायपुर (विश्व परिवार)। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर भीम आर्मी छत्तीसगढ़ के प्रादेशिक कार्यालय में स्वतंत्रता दिवस धूम धाम से मनाया गया। कार्यालय में ध्वजारोहण प्रदेश सह प्रभारी श्री मनोज बंजारे द्वारा किया गया। इस अवसर पर अपने भाषण में उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ नक्सलमुक्त जरूर हुआ है पर दिमागी नक्सल से छत्तीसगढ़ का सतनामी समाज सबसे ज्यादा पीड़ित है। *सतनामी समाज के लोगों को हर स्तर पर मनुवादीयो द्वारा शोषण का सामना करना पड़ता है।

सतनामी समाज के वोटर चुनाव में निर्णायक भूमिका निभाते हैं बावजूद इसके उनके उत्थान के लिए, विकास के लिए कोई कार्य नहीं किया जाता न ही कोई ठोस योजना बनाई जाती है। जबकि संविधान में सबको विकास का बराबर अवसर मिला है और सभी जिम्मेदार लोगों का दायित्व है कि किसी के साथ भेदभाव न हो और उनके उत्थान के लिए उचित निर्णय ले और पूरी निष्ठा से संविधान का पालन हो। *अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के विकास के लिए जो योजनाएं बनी है उनको सही तरीके से लागू नहीं किया जाता और कोई ठोस योजना नहीं बनाई जाती है।

उन्होंने आगे कहा कि आगामी विस चुनावो में छत्तीसगढ़ के विकास के लिए उनकी पार्टी द्वारा सभी मूलभूत मुद्दों को बहुत बारीकी से विश्लेषण किया जा रहा है और बहुत ही अच्छा समाधान भी दिया जायेगा जो अपने आप में निर्णायक भूमिका निभाएगा। जिसमें *छत्तीसगढ़ में स्कूलों में संविधान की शिक्षा पाठ्यक्रम में शामिल किया जाना, ताकि देश के बेहतर नागरिक बने प्रधानमंत्री आवास योजनाओं में 10 लाख रुपए तक की राशि दिया जाना, 30 लाख युवाओं को बेहतर रोजगार प्रदान करना प्रमुख है।

80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर सेक्रो रायपुर मंडल द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन

रायपुर (विश्व परिवार)। 80वें स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे महिला कल्याण संगठन (सेक्रो), रायपुर मंडल द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन उत्साह एवं देशभक्ति की भावना के साथ किया गया।

इस अवसर पर टिनी टॉट स्कूलङ्कढ्ढ एवं टिनी टॉट स्कूलङ्कढ्ढ, ड्डक्रस्न कॉलोनी, रायपुर में ध्वजारोहण किया गया। स्कूल की शिक्षिकाओं एवं बच्चों द्वारा देशभक्ति गीत प्रस्तुत किए गए। कार्यक्रम के दौरान बच्चों को फूड पैकेट्स का वितरण भी किया गया।

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर सेक्रो, रायपुर मंडल द्वारा मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय में कार्यरत 17 कॉन्ट्रैक्ट बागवानी कर्मचारियों एवं 18 कॉन्ट्रैक्ट सफाई मित्रों, कुल 35 कर्मचारियों को उपहार प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस पहल के माध्यम से उनके योगदान एवं सेवाओं के प्रति सम्मान व्यक्त किया गया।

इसी क्रम में सेक्रो, रायपुर मंडल द्वारा रायपुर मंडल रेलवे चिकित्सालय के महिला वार्ड एवं पुरुष वार्ड के लिए 02 नग 43 इंच एलईडी टीवी भेंट किए गए। इन

टीवी के माध्यम से मरीजों एवं उनके परिजनों को स्वास्थ्य एवं स्वच्छता संबंधी जागरूकता संदेश, चिकित्सकीय सलाह, रोगों से बचाव के उपाय, पोषण संबंधी जानकारी तथा अस्पताल से संबंꣃधत आवश्यक सूचनाएं उपलब्ध कराई जा सकेंगी। इस अवसर पर महिला एवं पुरुष वार्ड में भर्ती मरीजों को भी फूड पैकेट्स वितरित किए गए।

उपरोक्त सभी कार्यक्रम सेक्रो अध्यक्षा श्रीमती शिखा सिंह की अध्यक्षता में आयोजित किए गए। कार्यक्रम में श्रीमती अदिति अग्रवाल, उपाध्यक्षा/सेक्रो; श्रीमती राशि गुप्ता, सचिव/सेक्रो; श्रीमती अमृता शाह, सह सचिव/सेक्रो सहित सभी सेक्रो सदस्यों की सक्रिय सहभागिता रही।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता,
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खंड, राजेन्द्र पार्क चौक दुर्ग (छ.ग.)

दूरभाष क्र. 0778-2323633, E-mail:eedurg-phe-cg@nic.in

नि.सू.क्र. 09 /तशा./(निविदा)/का.अ./लो.स्वा.यां.खंड/2026 दुर्ग, दिनांक : 13-08-2026

//मैनुअल पद्धति निविदा सूचना//

छत्तीसगढ़ राज्य के राज्यपाल की ओर से एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत श्रेणी "डी" एवं उच्च में पंजीकृत ठेकेदारों से "प्रपत्र ए" में प्रतिशत दर पर निम्नलिखित कार्य हेतु मैनुअल निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र हेतु आवेदन की अंतिम तिथि 15.09.2026 शाम 5.30 बजे है।

समूह क्र.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रू. लाख मे)
01-04	दुर्ग जिले के विकासखंड धमधा के ग्राम सेमरिया (बाग), मोंहदी, घिकुड़िया एवं पाहरा में राईजिंग मेन, पंप स्थापना, पंप हाउस निर्माण सहित विद्युत कनेक्शन एवं अन्य सिविल कार्य।	12.67, 11.51, 11.86, 11.29

यह निविदा सूचना मूल निविदा का एक अंग है। विस्तृत निविदा एवं पूर्ण जानकारी इस कार्यालय में कार्यालयीन समय में देखी जा सकती है।

G-262702784/3

कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खंड
दुर्ग (छ.ग.)

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

विविध

रायपुर, सोमवार 17 अगस्त 2026

नागपंचमी पर भूलकर भी न करें ये काम

श्रावण माह की शुक्ल पंचमी को नाग पंचमी के रूप में मनाया जाता है। इस मौके पर शिवालयों में विशेष पूजा-अर्चना की जाती है। पंचमी तिथि के देवता नाग ही हैं। भगवान शिव को सांपों का देवता माना जाता है। इसलिए इस दिन भूलकर भी नाग देवता का अपमान न करें। कही भी सांप दिखे तो उसे दूध पिलाएं। कहा जाता है कि अगर इस दिन सापों का अपमान किया तो हमेशा ही सांपों से खतरा बना रहा है। नाग पंचमी पर ऊं नम- शिवाय और महामृत्युंजय मंत्रों का सुबह-शाम जाप करना चाहिए।
इस दिन भगवान श्रीकृष्ण ने गोकुलवासियों को कालिया नाग से बचाया था। डा. आचार्य सुशांत राज के अनुसार नाग पंचमी पर अपने गृह द्वार की दहलीज के दोनों ओर गोबर की सर्पाकृति बनाकर पूजा की जाती है। इस दिन सर्पो को दूध, दही, घी, शक्कर, शहद आदि से स्नान करा प्राण-प्रतिष्ठा कर पूजा करनी चाहिए। इस दिन नाग देवता की पूजा और ब्राह्मणों को भोजन कराने से सर्पो का भय नहीं रहता।

ऐसे करें पूजन

- सोना, चांदी, तांबा, पीतल आदि निर्मित नव नागों का पूजन करें
- नागों को जलाशय में प्रवाह करें, बाद में स्नान करें
- पहने हुए वस्त्रों का त्याग करें
- नवीन वस्त्र धारण करें
- नाग स्तोत्र का पाठ करें
- घर के मुख्य द्वार पर गोबर की सर्पाकृति बनाकर उसकी पूजा करें

रुद्राभिषेक कर इन नौ प्रकार के नागों की प्रतिमा को करें नदी में प्रवाह

अनंत, वासुकी, तक्षक, कर्कोट, महापद्म, नील, शंखपाल, कुलक, कालिय

इस मंत्र का करें जप

ऊं कुरू कुल्ये हुं फट स्वाह

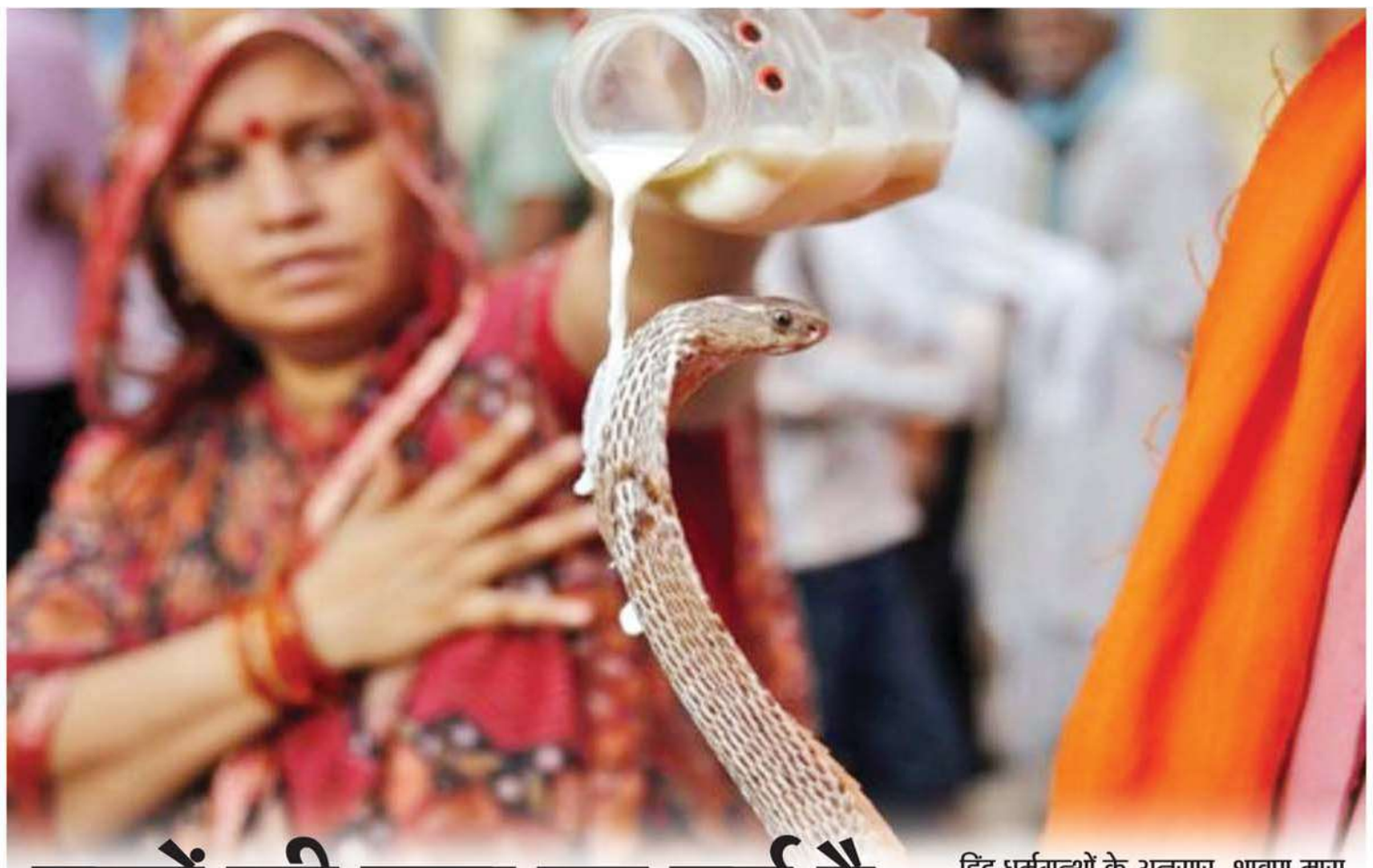

नागों की पूजा का पर्व है नागपंचमी

हिंदू धर्मग्रन्थों के अनुसार, श्रावण मास की शुक्ल पंचमी को नागपंचमी का पर्व मनाया जाता है। यह नागों और सर्पों की पूजा का पर्व है। मनुष्य और नागों का संबंध पौराणिक कथाओं से झलकता रहा है। हिंदू धर्मग्रन्थों में नाग को देवता माना गया है और इनका विभिन्न जगहों पर उल्लेख भी किया गया है। हिन्दू धर्म में कालिया, शेषनाग, कद्रू (साँपों की माता) पिलीवा आदि बहुत प्रसिद्ध हैं। कथाओं के अनुसार दक्ष प्रजापति की पुत्री तथा कश्यप ऋषि (जिनके नाम से कश्यप गोत्र चला) की पत्नी 'कद्रू' नाग माता के रूप में आदरणीय रही हैं। कद्रू को सुरसा के नाम से भी जाना जाता है।

सावन महीने की शुक्ल पक्ष की पंचमी के दिन नागपंचमी मनाई जाती है। नागपंचमी के दिन नाग देवता की पूजा की जाती है। कहा जाता है कि इस दिन सांपों की पूजा करने से नाग देवता प्रसन्न होते हैं। इस दिन नाग की पूजा करने से कई देवता खुश होते हैं।
प्राचीन धार्मिक ग्रंथों के मुताबिक अगर किसी जातक की कुंडली में कालसर्प दोष हो तो उसे नागपंचमी के दिन भगवान शिव और नागदेवता की पूजा करनी चाहिए। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार नाग की पूजा करने से मनुष्य को बहुत पुण्य मिलता है। नाग की पूजा नाग के संरक्षण की प्रेरणा देती है। इसके संरक्षण से पर्यावरण की रक्षा होती है। लेकिन कुछ लोग पैसे के लालच में सांपों को मारते हैं, क्योंकि इंटरनेशनल बाजार में नाग की कीमत बहुत ज्यादा है। हालांकि वन विभाग और भारत सरकार इनके संरक्षण के लिए कई तरह के उपाय भी करती है। नाग पंचमी के दिन नाग देवता को दूध चढ़ाकर पूजा की जाती है। घर के दरवाजे पर दूध रखने की भी परंपरा होती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार घर के आगे दूध रखने से नाग दूध पी लेते हैं, इससे नाग देवता प्रसन्न होते हैं।

क्यों माना गया है नाग को देवता

अमृत सहित नवरत्नों की प्राप्ति के लिए देव-दानवों द्वारा किए गए समुद्र-मंथन की कथा के अनुसार जगत-कल्याण के लिए वासुकी नाग ने मथानी के रस्सी के रुप में कार्य किया था.

भारतीय संस्कृति में शिव के गले में सर्प और विष्णु को शेषनाग पर शयन करते हुए दिखाया गया है, जो प्रतीकात्मक रुप से सर्प और नाग के महत्व को उजागर करता है. अमृत सहित नवरत्नों की प्राप्ति के लिए देव-दानवों द्वारा किए गए समुद्र-मंथन की कथा के अनुसार जगत-कल्याण के लिए वासुकी नाग ने मथानी के रस्सी के रुप में कार्य किया था.
श्रीमद्भागवत गीता में भगवान श्री कृष्ण कहते हैं 'मैं नागों में अनंत (शेषनाग) हूं'. पुराणों में वर्णित है कि धरती शेषनाग के फणों के ऊपर टिकी हुई है. पौराणिक अनुश्रुतियों के अनुसार इस दिन नाग जाति की उत्पत्ति हुई थी. महाभारत की एक कथा के अनुसार जब महाराजा परीक्षित को उनका पुत्र जनमेजय तक्षक नाग के काटने से नहीं बचा सका तो जनमेजय ने विशाल सर्पयज्ञ कर यज्ञाग्नि में भस्म होने के लिए तक्षक को आने पर विवश कर दिया. तब आस्तिक मुनि के आग्रह और तक्षक के क्षमा मांगने उसे क्षमा कर दिया. उन्होंने वचन दिया कि श्रावण मास की पंचमी को जो व्यक्ति सर्प और नाग की पूजा करेगा, उसे सर्प व नाग दोष से मुक्ति मिलेगी.
वर्तमान में कितना प्रासंगिक है नागपंचमी पर्व
हिन्दू संस्कृति केवल प्राणिमात्र नहीं बल्कि जड़-चेतन, चल-अचल को ईश्वर के रुप में देखता है. प्राचीन काल से पर्वों और उत्सवों को धर्म से जोड़ा गया है. यह यदि प्रत्यक्ष रुप से धार्मिक आस्था में वृद्धि करता है, तो अप्रत्यक्ष रुप से व्यक्ति और समाज को पर्यावरण से जोड़ता है. यह संदर्भ सावन माह की शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि मनाए जाने वाले नागपंचमी के लिए और भी ज्यादा प्रासंगिक है. क्योंकि देखा जाए तो वर्तमान समय में सर्पों और नागों को बचाना ज्यादा तर्कसंगत है. कई व्याधियों और रोगों के लिए आज मेडिकल साइंस बहुत हद तक दवाईयों के निर्माण के लिये सांपों और नागों से प्राप्त होने वाले विष पर निर्भर है. इनके जहर की थोड़ी-सी मात्रा अनेक लोगों का जीवन बचानें में उपयोगी है. भारत आज भी एक कृषि-प्रधान देश है. परंपरागत रुप से यहां वर्षा ऋतु में धान की फसल तैयार की जाती है. इन धान के पौधों को चूहे काट कर नष्ट कर देते है. ये चूहे किसान के शत्रु हैं और चूहों के शत्रु हैं सर्प. सर्प और नाग चूहों भक्षण कर एक संतुलन उत्पन्न करते हैं. सर्पो और नागों की इस पारिस्थितिकीय उपयोगिता के कारण ही प्राचीन काल से नागपंचमी का त्योहार मनाया जाता है.

नाग पंचमी को क्यों करते हैं नागों की पूजा?

श्रावण मास के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को नाग देवता की पूजा की जाएगी। श्रावण मास के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को नागों की पूजा के संदर्भ में एक कथा हैं, जिसमें नागों की पूजा के कारण का उल्लेख मिलता है। वेद और पुराणों में नागों का उद्गम महर्षि कश्यप और उनकी पत्नी कद्रू से माना जाता है। नागों का मूल स्थान पाताल लोक है।

देवों की सेवा में समर्पित हैं नाग

पुराणों में यक्ष, किन्नर और गन्धर्वों के वर्णन के साथ-साथ नागों का भी वर्णन मिलता है। भगवान विष्णु की शय्या की शोभा नागराज शेष बढ़ाते हैं। भगवान शिव के अलंकरण में वासुकी की महत्वपूर्ण भूमिका है। योगसिद्धि के लिए जो कुण्डलिनी शक्ति जागृत की जाती है, उसको सर्पिणी कहा जाता है। पुराणों में भगवान सूर्य के रथ में द्वादश नागों का उल्लेख मिलता है, जो क्रमशः प्रत्येक मास में उनके रथ के वाहक बनते हैं। इस प्रकार अन्य देवताओं ने भी नागों को धारण किया है।

नाग देवता हैं पूज्य

नाग देवता भारतीय संस्कृति में देवरूप में स्वीकार किये गये हैं। कश्मीर के जाने-माने संस्कृत कवि कल्हण ने अपनी प्रसिद्ध पुस्तक 'राजतरंगिणी' में कश्मीर की सम्पूर्ण भूमि को नागों का अवदान माना है। वहाँ के प्रसिद्ध नगर अनन्तनाग का नामकरण इसका ऐतिहासिक प्रमाण है। देश के पर्वतीय प्रदेशों में नागपूजा बहुतायत से होती है। यहाँ नागदेवता अत्यन्त पूज्य माने जाते हैं। हमारे देश के प्रत्येक ग्राम- नगर में ग्राम देवता और लोक देवता के रूप में नाग देवताओं के पूजास्थल हैं। भारतीय संस्कृति में सायं-प्रातः भगवत्स्मरण के साथ अनन्त तथा वासुकि आदि पवित्र नागों का नामस्मरण भी किया जाता है, जिनमें नागविष और भय से रक्षा होती है तथा सर्वत्र विजय होती है-

अनन्तं वासुकिं शेषं पद्मनाभं च कम्बलम। शंखपालं धार्तराष्ट्रं तक्षकं कालियं तथा।।
एतानि नव नामानि नागानां च महात्मनाम। सायंकाले पठेन्नित्यं प्रातः काले विशेषतः।
तस्मै विषभयं नास्ति सर्वत्र विजयी भवेत।।

नाग पंचमी की कथा

नाग पंचमी की कथा के श्रवण का बड़ा महत्व है। इस कथा के प्रवक्ता सुमन्तु मुनि थे तथा श्रोता पाण्डव वंश के राजा शतानीक थे। कथा इस प्रकार है-

एक बार देवताओं तथा असुरों ने समुद्र मन्थन से चौदह रत्नों में उच्चैःश्रवा नामक अश्वरत्न प्राप्त किया था। यह अश्व अत्यन्त श्वेत वर्ण का था। उसे देखकर नागमाता कद्रू तथा विमाता विनता- दोनों में अश्व के रंग के सम्बन्ध में वाद-विवाद हुआ। कद्रू ने कहा कि अश्व के केश श्यामवर्ण के हैं। यदि उनका कथन असत्य सिद्ध हो जाए तो वह विनता की दासी बन जाएंगी अन्यथा विनता उनकी दासी बनेगी।

नागमाता ने नागों को दिया भस्म होने का शाप

कद्रू ने नागों को बाल के समान सूक्ष्म बनाकर अश्व के शरीर में प्रवेश होने का निर्देश दिया, किन्तु नागों ने अपनी असमर्थता प्रकट की। इस पर क्रोधित होकर कद्रू ने नागों को शाप दिया कि पाण्डव वंश के राजा जनमेजय नागयज्ञ करेंगे, उस यज्ञ में तुम सब भस्म हो जाओगे।

रामायण की इन चौपाइयों से होते हैं सब क्लेश दूर

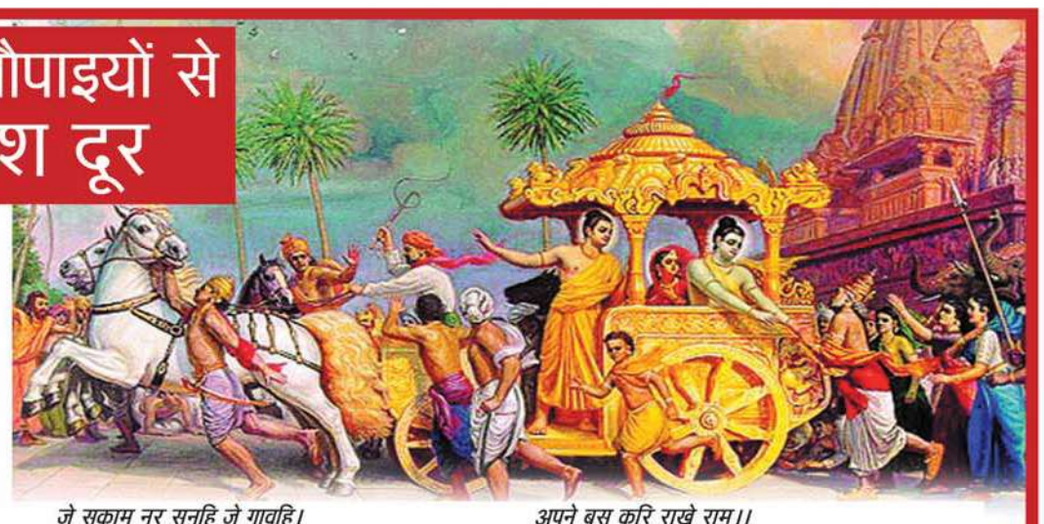

पठन से यूं तो जीवन सुखी रहता है लेकिन कुछ खास चौपाइयां का यदि नियमित पठन किया जाए तो दुख-क्लेश दूर होते हैं और घर में सम्पन्नता आती है।

अकाल मृत्यु भय व संकट दूर करने के लिए
नाम पाहरु दिवस निसि ध्यान तुम्हार कपाट।
लोचन निज पद जंत्रित जाहिं प्रान केहि बाट।।
शत्रुता मिटाने के लिए
बयरु न कर काहू सन कोई। राम प्रताप विषमता खोई॥
सभी तरह के संकटनाश या भूत बाधा दूर करने के लिए
प्रनवउ पवन कुमार, खल बन पावक ग्यान घन।
जासु हृदय आगार, बसहिं राम सर चाप धर॥
नौकरी पाने के लिए
बिस्व भरण पोषन कर जोई।
ताकर नाम भरत जस होई।।
धन-दौलत, सम्पति पाने के लिए
जे सकाम नर सुनहि जे गावहि।
सुख संपत्ति नाना विधि पावहि।।
योग्य संतान पाने के लिए
प्रेम मगन कौसल्या निसिदिन जात न जान।
सुत सनेह बस माता बालचरित कर गान।।
शादी के लिए
तब जनक पाइ वशिष्ठ आयसु ब्याह साजि संवारि कै।
मांडवी श्रुतकीरति उर्मिला, कुँअरि लई हँकारि कै॥
नजर उतारने के लिए
स्याम गौर सुंदर दोउ जोरी।
निरखहिं छबि जननीं तृन तोरी।।
हनुमानजी की कृपा के लिए
सुमिरि पवनसुत पावन नामू।
अपने बस करि राखे रामू।।
सफल व कुशल यात्रा के लिए
प्रबिसि नगर कीजै सब काजा।
हृदय राखि कोसलपुर राजा॥
बीमारियां व अशान्ति दूर करने के लिए
दैहिक दैविक भौतिक तापा। राम राज काहूहिं नहि ब्यापा॥
खोई वस्तु या व्यक्ति पाने के लिए
गई बहोर गरीब नेवाजू। सरल सबल साहिब रघुराजू।।
पढ़ाई या परीक्षा में कामयाबी के लिए
जेहि पर कृपा करहिं जनु जानी।
कबि उर अजिर नचावहिं बानी॥
मोरि सुधारिहि सो सब भाँती।
जासु कृपा नहिं कृपाँ अघाती॥

दैनिक
विश्व परिवार
महानगर
www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com
रायपुर, सोमवार 17 अगस्त 2026

पावर कंपनी में सुबोध कुमार सिंह ने किया ध्वजारोहण

■ विकसित छत्तीसगढ़ के संकल्प को दे रहे गति- अध्यक्ष

रायपुर (विश्व परिवार)। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर छत्तीसगढ़ स्टेट पावर कंपनीज के अध्यक्ष श्री सुबोध कुमार सिंह (आई.ए.एस.) ने पॉवर कंपनी मुख्यालय में ध्वजारोहण किया। इस अवसर पर उन्होंने परेड की सलामी ली। सुरक्षा एवं सतर्कता विभाग ने मार्चपास्ट की प्रस्तुति दी। उसमें परेड कमांडर सुरक्षा निरीक्षक श्री प्रभुशरण सिंह के साथ चार प्लाटून ने सहभागिता की। सुरक्षा उपनिरीक्षक श्री ताराचंद बेन के साथ टीम ने बैंड पर सुमधुर राष्ट्रीय गीतों की प्रस्तुति दी। इस मौके पर प्रबंध निदेशकगण (जनरेशन) श्री एस.के. कटियार (ट्रांसमिशन) श्री राजेश कुमार शुक्ला (डिस्ट्रीब्यूशन) श्री भीम सिंह कंवर, मुख्य अभियंता (मा.सं.) श्रीमती रश्मि वर्मा एवं मुख्य सुरक्षा अधिकारी विंग कमांडर श्री ए. श्री निवास राव विशेष रूप से उपस्थित थे। समारोह का संचालन उपमहाप्रबंधक (जनसंपर्क) श्री गोविन्द पटेल ने किया।

श्री सुबोध कुमार सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि ऊर्जा किसी भी राष्ट्र के समग्र आर्थिक और सामाजिक विकास की रीढ़ होती है। 'विकसित भारत' के निर्माण में ऊर्जा क्षेत्र की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण एवं रणनीतिक है। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 'विकसित भारत-2047' के महान संकल्प को साकार करने में हमारी जिम्मेदारी और बढ़ जाती है। माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय जी के सबल नेतृत्व में छत्तीसगढ़ स्टेट पावर कंपनीज़ राज्य की ऊर्जा अधोसंरचना को नई ऊँचाइयों पर ले जाने के लिए निरंतर कार्यरत है।

जनरेशन कंपनी के संयंत्र रहे देश में तीसरे नंबर पर

श्री सिंह ने कहा कि छत्तीसगढ़ स्टेट पावर जनरेशन कंपनी ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में 76.44 प्रतिशत प्लांट लोड फैक्टर (PLF) के साथ 19,403 मिलियन यूनिट विद्युत का रिकॉर्ड उत्पादन दर्ज किया है। केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (CEA) की रिपोर्ट के अनुसार, जनरेशन कंपनी ने देश के सभी राज्य ताप विद्युत गृहों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए तीसरा स्थान प्राप्त किया है। कोरबा पूर्व स्थित डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ताप विद्युत गृह ने भी देश में तृतीय स्थान हासिल कर संपूर्ण प्रदेश को गौरवान्वित किया है।

साढ़े तीन लाख करोड़ के होंगे निवेश

उन्होंने बताया कि भविष्य की विशाल ऊर्जा माँग को ध्यान में रखते हुए, राज्य सरकार तथा निजी क्षेत्र के सार्वजनिक व निजी सहभागिता (MoUs) के माध्यम से ऊर्जा क्षेत्र में साढ़े तीन लाख करोड़ से अधिक के निवेश का खाका तैयार किया गया है। इस अभूतपूर्व निवेश से राज्य की उत्पादन क्षमता में 32,000 मेगावाट की अतिरिक्त वृद्धि होगी। छत्तीसगढ़ न केवल अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं में पूर्णत: आत्मनिर्भर बनेगा, बल्कि सरप्लस पावर के माध्यम से देश के अन्य राज्यों की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करते हुए 'राष्ट्र के पावर हब' के रूप में स्थापित होगा। राज्य के इतिहास में पहली बार NTPC के सहयोग से परमाणु ऊर्जा (Nuclear Power) परियोजना स्थापित करने की दिशा में ठोस कदम उठाए गए हैं, जो प्रदेश को ऊर्जा के स्वच्छ एवं विविध स्रोतों से सशक्त करेगा।

पारेषण कंपनी ने 40 प्रतिशत बढ़ाई एटीसी क्षमता

श्री सिंह ने कहा कि छत्तीसगढ़ स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी ने राष्ट्रीय ग्रिड से विद्युत हस्तांतरण क्षमता (अवैलेबल ट्रांसफर कैपेसिटी-ATC) में लगभग 40 प्रतिशत की ऐतिहासिक वृद्धि हुई है। वर्ष 2024 की 3,536 मेगावाट क्षमता बढ़कर अब 4,930 मेगावाट पहुँच गई है। तकनीकी दक्षता के कारण हमारा ट्रांसमिशन लॉस 3.29 प्रतिशत से घटकर 2.72 प्रतिशत हो गया है। यह CSERC द्वारा निर्धारित 3 प्रतिशत के मानक लक्ष्य से भी बेहतर है। आगामी माँग को पूरा करने के लिए पूंजी निवेश योजना 2026-2030 के तहत 74 नए उपकेंद्रों (400 KV के 8, 220 KV के 21 तथा 132 KV के 41) के निर्माण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

डिस्ट्रीब्यूशन ने की बस्तर में नई रोशनी की पहल

श्री सिंह ने कहा कि शांति और सुरक्षा के इस नए स्वर्णिम दौर में, बस्तर संभाग के शेष 461 ऑफ-ग्रिड विद्युतीकृत गाँवों को मुख्य 'ऑन-ग्रिड' बिजली नेटवर्क से जोड़ने हेतु 973 करोड़ का विशेष प्रस्ताव स्वीकृत कर कार्य तीव्र गति से प्रारंभ कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि 'मुख्यमंत्री ऊर्जा राहत जन अभियान' (M-ऊर्जा) के तहत 48 लाख घरेलू उपभोक्ताओं को 808 करोड़ रुपए की आर्थिक राहत दी गई है। 'बिजली बिल भुगतान समाधान योजना' में उपभोक्ताओं को 745 करोड़ रूपए से अधिक की छूट प्रदान की जा रही है। कृषि क्षेत्र की समृद्धि हेतु एक वर्ष में 23,757 नए कृषि पंपों को कनेक्शन दिया गया। अब साढ़े आठ लाख कृषि पंपों को नि:शुल्क/रियायती बिजली देने हेतु ?4,717 करोड़ की सब्सिडी प्रदान की जा रही है। पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना' के तहत 40,696 नए घरों में रूफ्टॉप सोलर लगाए गए। अब तक 76,000 घरों में यह संयंत्र स्थापित हो चुके हैं तथा 95,000 अन्य घरों में कार्य प्रगति पर है।

1235 पदों पर होगी भर्ती

श्री सुबोध कुमार सिंह ने कहा कि किसी भी संगठन की वास्तविक पूंजी उसके अधिकारी और कर्मचारी होते हैं। पावर कंपनीज़ की इन सभी उपलब्धियों के मूल में हमारे अभियंताओं, तकनीशियनों, लाइनमैनों और मैदानी अमले का अनवरत परिश्रम निहित है। कर्मचारियों के हित में पदोन्नति प्रक्रियाओं का सरलीकरण कर समयबद्ध पदोन्नति आदेश जारी किए गए हैं। पारदर्शिता और कार्यदक्षता बढ़ाने हेतु 1,235 नए पदों पर निष्पक्ष भर्ती प्रक्रिया प्रारंभ की गई है, जिससे युवाओं को रोजगार मिलेगा और उपभोक्ता सेवाओं में तेजी आएगी। प्रशासनिक गतिशीलता के लिए सभी मैदानी कार्यालयों में 'ई-ऑफिस' (e-Office) व्यवस्था अनिवार्य कर दी गई है, जिससे फाइलों का त्वरित एवं पेपरलेस निस्तारण हो रहा है।